मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 136
शुक्रवार, 29 नवम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

संसद में अडानी और संभल मुद्दे पर गतिरोध बरकरार, वक्फ बिल पर बढ़ा जेपीसी का कार्यकाल

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र चौथे दिन में प्रवेश कर गया और गुरुवार को लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही फिर से शुरू हुई। हालांकि, स्थितियां पहले की ही तरह रही। विपक्ष का हंगामा जारी रहा। विपक्ष के हंगामे के बीच संसद शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। बार-बार हंगामे के कारण चौथे दिन भी काम नहीं हो पाया। संसद के शुरूआती दिन काफी हद तक अनुत्पादक रहे क्योंकि विपक्ष के हंगामे के कारण दोनों सदनों को स्थगित कर दिया गया। वहीं, खबर है कि विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर बांग्लादेश की स्थिति पर लोकसभा और राज्यसभा दोनों में कल बयान दे सकते हैं।

केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य निर्वाचित हुईं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बृहस्पतिवार को निचले सदन की सदस्यता की शपथ ली। शपथ के बाद उन्होंने कहा कि जनता के जरूरी मुद्दों को उठाना, देश और पार्टी के लिए काम करना ही उनकी प्राथमिकता रहेगी तथा वह संविधान के उसूलों के लिए लड़ाई लड़ेंगी। प्रियंका ने हिंदी में शपथ ली और इस दौरान उन्होंने संविधान की एक प्रति अपने हाथ में ले रखी थी। महाराष्ट्र के नांदेड़ से लोकसभा सदस्य निर्वाचित हुए कांग्रेस नेता रवींद्र बसंतराव चव्हाण ने भी सदन की सदस्यता की शपथ ली। लोकसभा में बृहस्पतिवार को कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) समेत विपक्षी दलों के सदस्यों ने अदाणी समूह से जुड़े मामले तथा उत्तर प्रदेश के संभल में हिंसा के मुद्दे को लेकर हंगामा किया, जिस वजह से सदन की बैठक एक बार के स्थगन के बाद शुक्रवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच ही, सदन ने वक्फ (संशोधन) विधेयक संबंधी संसद की संयुक्त समिति का प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का समय बजट सत्र, 2025 के आखिरी दिन तक बढ़ाने को मंजूरी दी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सदन में हंगामे को लेकर कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में सभी ने मिलकर फैसला किया था कि कौन सा विधेयक आएगा और कब आएगा।

जो बाकी मुद्दे हैं उन पर चर्चा का अलग अलग नियम बना हुआ है।अदाणी समूह के खिलाफ आरोपों पर तत्काल चर्चा कराए जाने की मांग को लेकर कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के हंगामे के कारण बृहस्पतिवार को राज्यसभा की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। सुबह सदन की कार्यवाही आरंभ होते ही सभापति जगदीप धनखड़ ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए और फिर बताया कि उन्हें अदाणी मुद्दे, मणिपुर के हालात और संभल हिंसा पर चर्चा के लिए नियम 267 के तहत कुल 16 नोटिस मिले हैं। उन्होंने सभी नोटिस अस्वीकार कर दिए।

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बृहस्पतिवार को कहा कि संसदीय अवरोध कोई समाधान नहीं है बल्कि यह एक रोग है जो देश की नींव को कमजोर करता है और संसद को अप्रासंगिकता की ओर ले जाता है।

बंगाल सरकार स्वास्थ्य साथी योजना के तहत खर्च में वृद्धि की जांच कर रही है: ममता बनर्जी

कोलकाता, 28 नवम्बर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और हत्या की घटना के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान राज्यभर में स्वास्थ्य साथी योजना के तहत खर्च में बढ़ोतरी हुई, जिसके बाद सरकार को मामले की जांच करानी पड़ी। बनर्जी ने विधानसभा में कहा, उस समय (आरजी कर अस्पताल की घटना के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान) स्वास्थ्य साथी योजना के तहत खर्च में भारी वृद्धि हुई थी। हम जांच कर रहे हैं। दोषियों को सजा दी जाएगी।

एक सर्वेक्षण से पता चला है कि पीड़ित महिला चिकित्सक के लिए न्याय की मांग को लेकर कनिष्ठ चिकित्सकों के प्रदर्शन के दौरान निजी अस्पतालों में स्वास्थ्य साथी योजना के तहत मरीजों के इलाज पर राज्य के खर्च में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी। स्वास्थ्य साथी योजना राज्य सरकार की स्वास्थ्य बीमा योजना है, जिसके तहत प्रति परिवार को चिकित्सा देखभाल के लिए प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक की आर्थिक मदद मिलती है।

चौथी बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने हेमंत सोरेन, मंच पर दिखी इंडिया ब्लॉक की ताकत

रांची, 28 नवम्बर। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) नेता हेमंत सोरेन ने गुरुवार को रांची में झारखंड के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोरेनी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में सोरेन का यह चौथा कार्यकाल है। सोरेन ने झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में अपनी अगली पारी से पहले अपने पिता और पार्टी संस्थापक शिबू सोरेन से आशीर्वाद लिया। झारखंड के मुख्यमंत्री के शपथ समारोह में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, विपक्ष के नेता राहुल गांधी, बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, राजद नेता तेजस्वी यादव, कांग्रेस नेता तारिक अनवर, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, निर्दलीय सांसद पप्पू यादव सहित विपक्ष के कई शीर्ष नेता शामिल हुए। झारखंड के 14वें सीएम के रूप में हेमंत सोरेन के शपथ लेने के बाद उनकी बहन और जेएमएम नेता अंजनी सोरेन का कहना है, आज पूरा झारखंड खुश है... हमें पहले से ही यह उम्मीद थी कि हम पूर्ण बहुमत से जीतेंगे।

वेव्स में बच्चों को सिखाएं नवाचार एवं तकनीक के गुर

- काशी सहित पास पड़ोस के जनपदों के प्रतिभाओं को रचनात्मकता एवं नवाचार सीखने का मिला मौका
- वीएफएक्स का एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

सुरेश गांधी

वाराणसी। भारतीय मीडिया और मनोरंजन संघ (एमइएआई) ने भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय की साझेदारी में धर्म एवं आस्था की नगरी काशी में गतिशील डब्लूएएम (वेव्स, एनीमे और मंगा प्रतियोगिता) का आयोजन किया गया। सनबीम सनसिटी स्कूल में आयोजित इस कार्यशाला में 446 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का हुनर दिखाया और बच्चों को वेव्स के नवाचार एवं तकनीक के गुर सीखने का मौका भी मिला। इस दौरान मंगाः जापानी शैली की कॉमिक्स, वेबटूनः डिजिटल कॉमिक्स और एनीमेः जापानी शैली की एनिमेशन श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा भी किया। कार्यक्रम समापन के मौके पर प्रतिस्पर्धी विजेताओं को नकद पुरस्कार, डब्लूएकॉम द्वारा पेन टैबलेट, फैबर-कास्टेल द्वारा गुडी हैम्पर्स और ट्रायो के मूल माल से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम को मीडिया एंड एंटरटेनमेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सुशील कुमार भसीन, सनबीम समूह की सहायक निदेशक श्रीमती प्रतिमा गुप्ता, सनबीम समूह के सीओओ (आवासीय मामले) आशीष राय और मीडिया एंड एंटरटेनमेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सचिव अंकुर भसीन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में बनारस एनीमे क्लब ने अहम भूमिका निभाई। अंश खत्री की अध्यक्षता वाला यह क्लब एक साल पहले अपनी स्थापना के बाद से ही वाराणसी में एनीमे के प्रति प्रेम को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

बकौल खत्री ह्लजब हमने एक साल पहले बनारस एनीमे क्लब शुरू किया था, तो हमारा लक्ष्य शहर को एनीमे और मंगा की खूबसूरती से परिचित कराना था। डब्लूएएम का हिस्सा बनना हमारे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। यह एक सपना सच होने जैसा है। जिसमें वाराणसी की असाधारण प्रतिभा को दिखाया गया है। कार्यक्रम में एक बहुप्रतीक्षित कॉस्प्ले प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने पसंदीदा एनीमे और गेमिंग पात्रों को अपनाया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सौरव रॉयचौधरी द्वारा प्रस्तुत प्रस्तुति थी। जिसमें भारत के पहले एनीमे, ट्रीओ की एक विशेष झलक दिखी, जिसे वर्तमान में वैभवी स्टूडियो द्वारा विकसित किया जा रहा है। गौरतलब है कि गुवाहाटी, कोलकाता और भुवनेश्वर में सफल आयोजनों से मिली सफलता के बाद डब्लूएएम ने क्रिएट इन इंडिया पहल के तहत भारत की क्रिएटर अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देते हुए मंगा, एनीमे और वेबटून की दुनिया को आगे बढ़ाने की अपनी यात्रा जारी रखते हुए अपने कार्यशाला का आयोजन काशी में किया।

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा निंदनीय : अशोक गहलोत

जयपुर, 28 नवम्बर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा और समुदाय के नेता चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी की निंदा की है। उन्होंने केन्द्र सरकार से वहां रहे हिन्दू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

गहलोत ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी पोस्ट में लिखा, बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ लगातार जारी हिंसा एवं इस हिंसा के खिलाफ लगातार बोल रहे श्री चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी निंदनीय है। उन्होंने कहा, बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद से ही हिंदुओं के विरुद्ध हिंसा जारी है परन्तु नयी सरकार ने इसे रोकने के लिए कोई सख्त कदम नहीं उठाए हैं। 1970 के दशक में जब ऐसी गतिविधियां हुईं थीं तब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने सख्त कदम उठाकर वहां हिंदुओं एवं सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित की थी। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार को हस्तक्षेप कर वहां रह रहे हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया 13वें राष्ट्रीय बीज सम्मेलन का उद्घाटन

- राष्ट्रीय बीज सम्मेलन ज्ञान, साझेदारी और बीज प्रणाली को मजबूत करने व नवाचार को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण मंच है : शिवराज सिंह चौहान

सुरेश गांधी

वाराणसी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को 13वां राष्ट्रीय बीज सम्मेलन का वर्चुअली उद्घाटन किया। कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय धान अनुसंधान संस्थान दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र (आइएसएआरसी), वाराणसी में आयोजित तीन दिवसीय सम्मेलन में 700 से अधिक प्रतिनिधि, जिसमें विशेषज्ञ, नीति निमार्ता, उद्योग जगत के नेता, शोधकर्ता और किसान शामिल हैं, बीज क्षेत्र से जुड़े प्रमुख मुद्दों और प्रगति पर चर्चा किया जा रहा है। इस मौके पर शिवराज सिंह चौहान ने वैश्विक बीज क्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि ह्लराष्ट्रीय बीज सम्मेलन ज्ञान साझा करने, साझेदारी को बढ़ावा देने और बीज प्रणाली को मजबूत करने के लिए नवाचार को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण मंच है।

उन्होंने जलवायु परिवर्तन और खाद्य सुरक्षा जैसी चुनौतियों का सामना करने के लिए भारत की जैव विविधता, अनुसंधान क्षमता और नवीन तकनीकों का लाभ उठाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन भारत की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, जलवायु चुनौतियों का सामना करने और छोटे किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने विशेषज्ञों और प्रतिभागियों से ऐसे रणनीतिक कदम विकसित करने का आग्रह किया, जो बीजों को अधिक सुलभ, किफायती और प्रभावशाली बनाएं ह्व इस अवसर पर एब्स्ट्रैक्ट कॉम्पेंडियम और चावल की परती (फेलो) वेबपेज और एटलस का भी शुभारंभ किया गया।

चावल की परती (फेलो) वेबपेज और एटलस एक अग्रणी पहल है, जो पूर्वी भारत के परती भूमि क्षेत्रों का नक्शा बनाने और उनका विश्लेषण करने के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है। शोधकताओं और नीति निमार्ताओं के सहयोग से विकसित, यह उपकरण फसल योजना को अनुकूलित करने, प्रणाली की तीव्रता बढ़ाने और क्षेत्र की खाद्य सुरक्षा में सुधार करने के लिए व्यावहारिक समाधान प्रदान करता है। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने इस ऐतिहासिक आयोजन की मेजबानी करते हुए राज्य की कृषि उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर जोर दिया।

बाल विवाह मुक्ति बेटियों को खुला आसमान देगा

-ललित गर्ग

देश में बाल विवाह की प्रथा को रोकने, बढ़ते बाल-विवाह से प्रभावित बच्चों के जीवन को इन त्रासद परम्परागत रूढ़ियों की बेड़ियों से मुक्ति दिलाने के लिये सरकार ने बाल-विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरूआत करके एक सराहनीय एवं स्वागतयोग्य उपक्रम से हिम्मत और बदलाव की मिसाल कायम की है। यह एक शुभ संकेत एवं श्रेयस्कर जीवन की दिशा है। यह किसी समाज के लिये बेहद नकारात्मक टिप्पणी है कि सदियों के प्रयास के बावजूद वहां बाल विवाह की कुप्रथा विद्यमान है। यहां यह विचारणीय तथ्य है कि समाज में ऐसी प्रतिगामी सोच क्यों पनपती है? क्यों लोग परंपराओं के खूंटे से बंधकर अपने मासूस बच्चों एवं बचपन से खिलवाड़ करते हैं? हमें यह भी सोचना होगा कि कानून की कसौटी पर अस्वीकार्य होने के बावजूद बाल विवाह की परंपरा क्यों जारी है? ह्यबाल विवाह मुक्त भारत अभियानह्ल की शुरूआत दूरगामी मानवीय सोच से जुड़ा एक संवेदनशील आह्वान एक नई सुबह की आहट एवं क्रांति के विस्फोट की संभावना है। यह अभियान सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि एक संकल्प है, एक रोशनी है, एक मंजिल है, एक सकारात्मक दिशा है। एक वादा है देशभर में बाल विवाह पर जागरूकता फैलाने और समाप्त करने का। यह नये भारत-सशक्त भारत की बुनियाद है। बाल विवाह रोकने के तमाम कार्यों, योजनाओं और कानूनों के बावजूद अगर कामयाबी नहीं मिल रही है, तो जाहिर है, एक विशेष अभियान छेड़कर केन्द्र सरकार ने सराहनीय कदम उठाया है। यह राष्ट्रीय अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 22 जनवरी, 2015 को शुरू की गई प्रमुख योजना ह्यबेटी बचाओ बेटी पढ़ाओह्ल की सफलता से प्रेरित है, जो विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए लड़कियों के बीच शिक्षा, कौशल, उद्यम और उद्यमिता को बढ़ावा देने एवं बेटियों की आशाओं, आकांक्षाओं, संकल्पों से भरे सपनों की उड़ान को खुला

आसमान देने में सक्षम होगा। यह सुखद बात है कि बाल विवाह मुक्त भारत बनाने के लिए सरकार ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से 2029 तब बाल विवाह की दर को पांच प्रतिशत से नीचे लाने के मकसद से विशेष कार्य योजना बनाने का आग्रह किया है। यह बचपन की मासूमियत छीनने वाली ह्यबालविवाहह्ल की बेड़ियों को तोड़ते हुए जागृति का एक शंखनाद किया है, एक समाज-क्रांति के बीज को रोपा गया है। सभी जानते हैं कि कम आयु के बच्चे अपने भविष्य के जीवन के बारे में परिपक्व फैसला लेने में सक्षम नहीं होते। साथ ही वे इस स्थिति में भी नहीं होते कि उनके जीवन पर थोपे जा रहे फैसले का मुखर विरोध कर सकें। उनके सामने आर्थिक स्वावलंबन का भी प्रश्न होता है। लेकिन अभिभावक क्यों इस मामले में दूरदृष्टि नहीं रखते? सही मायने में बाल विवाह बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ ही है। इसीलिये बाल-विवाह पर दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा कि कानून परंपराओं से ऊपर है। कोर्ट का कथन तार्किक है कि जिन बच्चों की कम उम्र में शादी करा दी जाती है क्या वे इस मामले में तार्किक व परिपक्व सोच रखते हैं?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा भी है कि यह समय की मांग है कि इस कानून को लागू करने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर किया जाए। इस बाबत उन समुदायों व धर्मों के लोगों को बताया जाना चाहिए कि बाल विवाह कराया जाना एक आत्मघाती कदम है। यह समझना कठिन नहीं है कि कम उम्र में विवाह कालांतर जच्चा-बच्चा के स्वास्थ्य के लिये भी घातक साबित होता है। उनकी पढ़ाई ठीक से नहीं हो पाती और वे अपनी आकांक्षाओं का कैरियर भी नहीं बना सकते। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का कथन इस सामाजिक बुराई के उन्मूलन में मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है। केंद्रीय मंत्री ने उचित ही कहा है कि बाल विवाह मानवधिकारों का उल्लंघन और कानून के तहत अपराध है। अच्छी बात है, सरकार ने अब एक तरह से मान लिया है कि कानून को जितना काम करना था, उसने किया इसके आगे अब विशेष अभियान की जरूरत है। बाल विवाह को रोकने के लिए अकेले कानून के भरोसे न बैठते हुए ठोस जागृति-अभियान की अपेक्षा है। अब सरकार ने इस सामाजिक बुराई को जड़ से समाप्त करने के लिये कमर कसी है, तो उसका स्वागत होना चाहिए एवं इस अभियान को व्यापक रूप देना चाहिए। बाल विवाह की कुरीति को देश में व्यापकता से देखने को मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है। यह मानवाधिकार उल्लंघन का सबसे खराब स्वरूप है। ठोस प्रयासों के बावजूद आज भी लगभग पांच में से एक लड़की का विवाह विधि सम्मत आयु 18 वर्ष से पहले कर दिया जाता है। किसी शहर में अगर एक विवाह सत्र में 1000 शादियां होती हैं, तो उनमें से 200 शादियों में दुल्हन की उम्र शादी लायक वैध नहीं होती। बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने बुधवार को यह भी बताया कि पिछले एक साल में लगभग दो लाख बाल विवाह रोके गए हैं। मतलब, सामाजिक संस्थाएं और पुलिस काम तो कर रही हैं, पर मंजिल अभी दूर है। बाल विवाह की सर्वाधिक संख्या पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, राजस्थान, बिहार, झारखण्ड, असम और आंध्रप्रदेश में है। देश में 300 ऐसे जिले हैं, जहां बाल विवाह की दर राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है। ऐसा लग रहा है, लोग बेटियों का जीवन तो बचा रहे हैं, प्राथमिक शिक्षा भी देने लगे हैं, पर उन्हें अधिक पढ़ाने और आगे बढ़ाने पर उनका ध्यान नहीं है। बेटियों की जब कम उम्र में शादी होती हैं तो श्रम बल के रूप में न केवल उनकी उत्पादकता, बल्कि देश की क्षमता पर भी असर पड़ता है। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत की भविष्य दृष्टि से प्रेरित नये समाज की संरचना का दूरगामी प्रकल्प है। बच्चों पर बाल विवाह थोपना उनके अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने की स्वतंत्र इच्छा का भी दमन है। भले ही मजबूरी में वे इस थोपे हुए विवाह के लिये राजी हो जाएं, लेकिन उसकी कसक जीवन पर्यंत बनी रहती है। जो उनके स्वाभाविक विकास में एक बड़ी बाधा बन जाता है। निश्चय ही इस बाबत बदलाव लाने के लिये कानून में जरूरी बदलाव लाने के साथ ही समाज में जागरूकता लाने की भी जरूरत है। इन सब दृष्टियों से यह अभियान सदियों से चली आ रही इस त्रासद परम्परा से मुक्ति का माध्यम बनेगा। पढ़ी-लिखी लड़की अगर विवाह-योग्य उम्र से ब्याही जाए, तो वह परिवार और समाज के लिए उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है। कम उम्र में विवाह से न केवल संतानों की गुणवत्ता बल्कि परिवार की आर्थिक, सामाजिक और मनवैज्ञानिक क्षमता पर भी असर पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है कि बाल विवाह दर में सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक गिरावट दक्षिण एशियाई देशों में देखी गई है, जिसमें भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नए अभियान के अन्तर्गत इस परम्परागत विसंगति एवं विडम्बना को दूर करने के लिये व्यापक प्रयत्न किये जायेंगे। प्रारंभिक कार्ययोजना के अन्तर्गत बाल विवाह रोकने के लिए बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल का भी शुभारंभ किया गया है। इस पोर्टल के जरिये बाल विवाह के विरोध में जागरूकता बढ़ाई जाएगी, बाल विवाह की शिकायत भी यहां दर्ज कराई जा सकती है एवं कार्य प्रगति की निगरानी भी की जाएगी। इस पोर्टल को सही ढंग से चलाया गया, गांवों और पंचायतों से जोड़ लिया गया, तो इसके सकारात्मक परिणाम आ सकते है। बाल विवाह मुक्त अभियान देश भर में युवा लड़कियों के सशक्तिकरण के सरकार के प्रयासों का प्रमाण है। यह प्रगतिशील और समतापूर्ण समाज सुनिश्चित कर हर बच्चे की क्षमता को पूर्णता से साकार करेगा। इस अभियान का संदेश 25 करोड़ नागरिकों तक पहुंचने की उम्मीद है। यह निर्विवाद है कि देश को विकसित बनाने के लिए महिलाओं की पूरी शक्ति का उपयोग जरूरी है और महिला शक्ति बढ़ाने के लिए बाल विवाह को रोकना ही होगा। आज सामाजिक सोच एवं ढांचे में परिवर्तन लाने की शुरूआत हो गयी है, इसमें सृजनशील सामाजिक संस्थाओं का योगदान भी महत्वपूर्ण होगा। आवश्यकता है वे अपने सम्पूर्ण दायित्व के साथ आगे आये। अंधेरे को कोसने से बेहतर है, हम एक मोमबत्ती जलाएं।

चुनाव की सुब्बुगाहत शुरू होते ही हो जाता है दलबदल का सिलसिला!

अशोक भाटिया

राजनीति आज स्वार्थ सिद्धि का जरिया बन गई हे, सेवा भाव गायब है। यह शक्ति हासिल करने का जरिया बन गई है। विचारधारा से कोई मतलब नहीं रहा। यही वजह है कि जिस पार्टी के खिलाफ भाषण देने वाले नेता उसी पार्टी में शामिल होने में संकोच नहीं करते। राजनीतिक पार्टियां भी सत्ता में आने के लिए दलबदलू नेताओं को महत्त्व देती हैं। ये पार्टियां विपरीत विचारधारा वाले नेताओं को भी अपनी पार्टी में शामिल करने से गुरेज नहीं करती हैं।

भारतीय राजनीति में दलबदल हमेशा से ही प्रचलित रहा है। हाल ही में शिंदे गुट की शिवसेना के विजय चौघुले द्वारा एरोली में बीजेपी के गणेश नाइक के खिलाफ विद्रोह किया है। अब एमवीए और महायुति में दलबदलुओं की फेहरिस्त में करीब 56 उम्मीदवारों के नाम सामने आ गए । महायुति से 40 और एमवीए से 16 नेता इस लिस्ट में शामिल है थे जिन्होंने अपने गठबंधन के घोषित उम्मीदवार के खिलाफ बगावत कर नामांकन दाखिल किया । दलबदल करने वाले कई उम्मीदवारों ने जीतने के बजे नामित उम्मीदवारों का खेल ही बिगाड़ा

इससे पहले हरियाणा में नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार से 3 निर्दलीय विधायकों ने समर्थन वापस ले लिया और कांग्रेस के लिए प्रचार करने की घोषणा की। हरियाणा में दलबदल की घटनाएं आम बात हैं, यहां 'आया राम, गया राम' कहावत प्रचलित है, जिसका मतलब है बिना किसी सिद्धांत के पार्टी बदलना। साथ ही, लोकसभा चुनाव के दौरान कई अन्य राज्यों (जैसे मध्य प्रदेश और गुजरात) में उम्मीदवारों के आखिरी समय में पार्टी बदलने की घटनाएं देखने को मिली हैं। राजनीतिक दलबदल की भरमार होने के बावजूद भारत का दलबदल विरोधी कानून मूकदर्शक बना हुआ है। भारत के संविधान की दसवीं अनुसूची के अंतर्गत, दलबदल विरोधी कानून 1985 में संसद और राज्य विधानसभाओं दोनों में 1960-70 के दशक में निर्वाचित विधायकों द्वारा बड़े पैमाने पर दलबदल को रोकने के लिए बनाया गया था। हालाँकि, 2002 में, संविधान के कामकाज की समीक्षा करने वाले राष्ट्रीय आयोग ने इस कानून की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि दलबदल विरोधी कानून के लागू होने के बाद भारत में दलबदल की संख्या में वृद्धि हुई है! दसवीं अनुसूची इतनी बुरी तरह से कैसे विफल हो गई?

दसवीं अनुसूची की कई कमियों का श्रेय इसके प्रारूपण को दिया जा सकता है, जो दलबदल, विशेष रूप से समूह दलबदल के लिए स्पष्ट खामियाँ छोड़ता है। दसवीं अनुसूची उन विधायकों को अयोग्य ठहराती है जो स्वेच्छा से अपनी पार्टी की सदस्यता छोड़ देते हैं या जब वे संसद या राज्य विधानसभा में अपनी पार्टी के निर्देश के विरुद्ध मतदान करते हैं। स्वतंत्र सांसद/विधायक सदन से अयोग्य ठहराए जा सकते हैं यदि वे अपने चुनाव के बाद किसी राजनीतिक दल में शामिल होते हैं। अयोग्यता के लिए याचिकाएँ सदन के अध्यक्ष या सभापति के समक्ष, जैसा भी मामला हो, प्रस्तुत की जा सकती हैं। दलबदल विरोधी कानून में दो अपवाद भी शामिल किए गए हैं - एक राजनीतिक दल में ऱविभाजनऱ से संबंधित है, और दूसरा दो दलों के बीच ऱविलयऱ के मामले में। इस कानून के इर्द-गिर्द संसदीय बहस से पता चलता है कि इन अपवादों का इस्तेमाल विधायकों और उनकी पार्टियों के बीच वैचारिक मतभेदों के कारण दलबदल के सैद्धांतिक मामलों की रक्षा के लिए संयम से किया जाना था। हालांकि इरादे नेक थे, लेकिन इन अपवादों का इस्तेमाल किसी की सुविधा के लिए बहुत बार किया गया। वास्तव में, दलबदल को बढ़ावा देने और लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकारों को गिराने के लिए इसके बार-बार इस्तेमाल के कारण, विभाजन अपवाद को 2003 में संविधान से हटा दिया गया था।

हालाँकि, विलय अपवाद जारी रहा है। दसवीं अनुसूची के पैराग्राफ 4 के अंतर्गत पाया गया, विलय अपवाद दो उप-पैराग्राफों में फैला हुआ है। इन दो उप-पैराग्राफों को मिलाकर पढ़ने पर यह अनिवार्य हो जाता है कि विधायक अयोग्यता से छूट का दावा कर सकता है यदि दो शर्तें एक साथ पूरी होती हैं - पहली, विधायक की मूल राजनीतिक पार्टी किसी अन्य राजनीतिक पार्टी में विलय कर लेती है, और दूसरी, विधायक ऐसे समूह का हिस्सा है जिसमें विलय के लिए सहमत ऱविधायक दलऱ के दो-तिहाई सदस्य शामिल हैं। विधायक दल का मतलब है एक विधान सभा के भीतर एक विशेष पार्टी से संबंधित सभी निर्वाचित सदस्यों से मिलकर बना समूह।

विलय अपवाद पर सरसरी निगाह डालने से पता चलता है कि इसका मसौदा अनावश्यक रूप से जटिल है, जो स्पीकर और अदालतों दोनों द्वारा कई तरह की व्याख्याओं के लिए उपयुक्त है। जिस व्याख्या को कई उच्च न्यायालयों ने पसंद किया है, वह यह है कि जैसे ही किसी विशेष विधायक दल के दो-तिहाई सदस्य किसी अन्य विधायक दल के साथ विलय के लिए सहमत होते हैं, दो राजनीतिक दलों के बीच विलय ऱमानाऱ जाता है। ऐसी व्याख्या के लिए राष्ट्रीय या क्षेत्रीय स्तर पर मूल राजनीतिक दलों के वास्तविक विलय की आवश्यकता नहीं होती है। यह प्रतीत होता है कि जटिल कानूनी शब्दावली विधानमंडल के भीतर और बाहर दोनों जगह राजनीतिक दलों की कार्रवाइयों पर स्पष्ट रूप से ठोस प्रभाव डालती है। यह देखते हुए कि पार्टियों को केवल सदन के अंदर अपने विधायी विंग के बीच विलय दिखाने की आवश्यकता है (और इसके बाहर के सदस्यों के नहीं), वैध विलय आराम से हो जाते हैं। इसका एक स्पष्ट उदाहरण है जब 2019 में, गोवा विधानसभा में 15 में से 10 कांग्रेस विधायक भाजपा में शामिल हो गए, और इसे भाजपा और कांग्रेस विधायक दलों के बीच एक वैध विलय माना गया। गोवा विधानसभा अध्यक्ष द्वारा 10 कांग्रेस विधायकों को अयोग्यता से छूट दी गई थी, जिसके निर्णय को अंततः बॉम्बे उच्च न्यायालय (गोवा पीठ) ने बरकरार रखा था। प्रभावी रूप से, केवल विधायक दलों के बीच कथित विलय को साबित करने की आवश्यकता ने व्यावहारिक रूप से समूह दलबदल को आसान बना दिया है।

स्वाभाविक रूप से, दलबदल विरोधी कानून के तहत दलबदलू विधायकों के अयोग्य घोषित न होने का मुख्य कारण विलय और विभाजन रहा है। विधि सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी ('विधि') ने 1986-2004 के बीच लोकसभा के अध्यक्षों के समक्ष दायर 55 अयोग्यता याचिकाओं का सर्वेक्षण किया। इनमें से 49 याचिकाओं के परिणामस्वरूप कोई भी विधायक अयोग्य घोषित नहीं हुआ, भले ही उन्होंने सदन में विरोध प्रदर्शन किया हो। इनमें से 77% (49 में से 38) में दलबदलू विधायकों को अयोग्य नहीं ठहराया गया क्योंकि वे अपनी मूल पार्टी में विभाजन या किसी अन्य के साथ विलय को वैध साबित कर सकते थे। उत्तर प्रदेश से भी इसी तरह के खुलासे हुए - 1990-2008 के बीच दायर 69 याचिकाओं में से केवल दो के परिणामस्वरूप अयोग्यता हुई। अयोग्यता न होने के 67 मामलों में, विलय और विभाजन 55 बार (लगभग 82%) कारण के रूप में सामने आए।

दलबदल विरोधी कानून को स्वतंत्र सांसदों/विधायकों सहित व्यक्तियों द्वारा दलबदल को दंडित करने में कुछ हद तक सफलता मिली है। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष 1989-2011 के बीच दायर 39 याचिकाओं के विधि के सर्वेक्षण से पता चला है कि अयोग्यता के 12 मामलों में से 9 मामले स्वतंत्र विधायकों की अयोग्यता से संबंधित थे। इसमें 2004 में 6 स्वतंत्र विधायकों को अयोग्य ठहराना भी शामिल है, जो राज्यसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में शामिल हो गए थे, जिसे स्पीकर सतबीर सिंह कादियान ने रद्द कर दिया था।

मेघालय विधानसभा (1988-2009) से सर्वेक्षित 18 अयोग्यता याचिकाओं में से पांच निर्दलीय विधायकों से संबंधित थीं, जिन्हें स्पीकर ने एक राजनीतिक दल में शामिल होने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया था। 8-9 अप्रैल 2009 के बीच तीन ऐसे मामले हुए, जब निर्दलीय विधायक पॉल लिंगदोह, इस्माइल आर। मारक और लिमिसन डी। संगमा क्रमशः कांग्रेस, यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी और एनसीपी में शामिल हो गए। उन सभी को तत्कालीन स्पीकर बिंदो एम। लानोंग ने अयोग्य घोषित कर दिया था, जिन्होंने चुनाव खत्म होने के बाद अपनी पसंद की राजनीतिक पार्टियों का साथ देकर लोकतांत्रिक व्यवस्था का मजाक उड़ाने के लिए निर्दलीय विधायकों को फटकार भी लगाई थी।

राज्य विधानसभाओं के अध्यक्षों के निर्णयों के बारे में डेटा उनकी आधिकारिक वेबसाइटों पर आसानी से उपलब्ध नहीं है (कम से कम अंग्रेजी में तो नहीं), जो दसवीं अनुसूची के व्यापक मूल्यांकन को रोक सकता है। फिर भी, यह कहना सुरक्षित है कि कानून की सफलताएँ गिने-चुने हैं, और यह काफी हद तक अव्यवहारिक है। इस साल की शुरूआत में, अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में, इस कानून की समीक्षा के लिए एक समिति गठित की गई थी। हम केवल यही उम्मीद कर सकते हैं कि यह समिति आवश्यक कार्य करेगी - दसवीं अनुसूची के प्रदर्शन की व्यापक समीक्षा करेगी, और भारत को एक दलबदल विरोधी कानून देगी जो संसदीय लोकतंत्र को आगे बढ़ाएगा।

स्त्री शोषण की अंतहीन विभीषिका, बुनियादी शिक्षा की दरकार

संजीव ठाकुर

देश में स्त्री शोषण की विविधता और धार्मिक कट्टरता एक अभिशाप बनकर सामने आई है। स्त्रियों पर होते अत्याचार और शोषण के विरुद्ध ठोष कारगर उपाय तथा कठोरतम कानून निर्मित करने की गंभीर आवश्यकता है। आज नारियों को शिक्षित होना अत्यंत आवश्यक है। विशेष तौर पर स्त्री तथा बच्चों को बुनियादी शिक्षा तथा देश की महिलाओं, स्त्रियों और बालिकाओं के सक्षम एवं सफल जीवन के लिए एक दीर्घकालिक योजना पर अमल किया जाना चाहिए। स्त्रियों के शोषण,अत्याचार के विरुद्ध पंचवर्षीय योजना की तरह शिक्षा,साक्षरता एवं ज्ञान की वृद्धि के लिए विशेष तौर पर महिलाओं तथा बच्चों के लिए एक विशेष अभियान चलाने की गंभीर आवश्यकता है। बालिकाएं स्त्रियां पढेंगी तभी इतिहास रचेंगी और देश को सशक्त बनाने का प्रयास करेंगीं। भारत एक विशाल लोकतांत्रिक देश है। भारत की जनसंख्या में पुरुषों के साथ-साथ की स्त्रियों तथा बच्चों की भी जनसंख्या भी बहुत ज्यादा है। देश में स्त्री शोषण की विविधता और धार्मिक कट्टरता को देखते हुए नारियों को शिक्षित होना अत्यंत आवश्यक है, विशेष तौर पर स्त्री तथा बच्चों को बुनियादी शिक्षा तथा साक्षरता की महती आवश्यकता देश में महसूस की जा रही है। स्त्रियां अपने परिवार ,घर और समाज की देखरेख करती हैं अतः उनका शिक्षित होना बहुत ज्यादा आवश्यक भी है, बच्चे देश का भविष्य है अतः उनका शिक्षित होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना किसी भी देश के एक सफल नागरिक को होना चाहिए। स्त्री और शिक्षित होंगी तो स्वयं और अपने परिवार को अच्छे बुरे और असामाजिक घटनाओं से सचेत रहने की शिक्षा भी दे सकती हैं जिससे एक सामाजिक परिवर्तन एवं सामाजिक आंदोलन की महत्वपूर्ण पृष्ठभूमि को तैयार किया जा सकता है।

भारत में चाहे विकास की बात हो, सार्वभौमिकता की बात हो,सत्य, अहिंसा की बात हो या बात करोना संक्रमण से बचने की हो,हमें शिक्षा एवं व्यापक साक्षरता की महती आवश्यकता है। जिस तरह जल के बिना जीवन नहीं होता है,उसी तरह साक्षरता और शिक्षा के बगैर मनुष्य का जीवन निरर्थक है। अशिक्षित आदमी ना तो अपने परिवार ना ही समाज के लिए उपयोगी हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले हमें स्त्रियों की शिक्षा और साक्षरता के मूल अंतर को समझना होगा' शिक्षा जीवन के महत्व, संकल्पना को निरूपित करती है वही साक्षरता मनुष्य के संपूर्ण जीवन को अंश मात्र से ही अपना पक्ष रखती हैं' शिक्षा व्यक्ति के संपूर्ण जीवन पद्धति को विकसित करने का जरिया तथा महत्वपूर्ण विकल्प है। जिसके अंतर्गत पढ़ना, लिखना, समझना चरित्र विकास बौद्धिक मानसिक मनोवैज्ञानिक आध्यात्मिक सभी पहलुओं में गुणात्मक विकास करने के लिए आवश्यक कारक है। साक्षरता में संस्कृतिक सभ्यता तथा अन्य माननीय जीवन की कल्पना से इसका कोई संबंध नहीं रह जाता है। साक्षरता सदैव रोजगार मूलक तथ्यों से जुड़ी होती है। जबकि सभ्यता संस्कृति का विकास मानवीय शिक्षा से ही संभव हो पाता है। शिक्षा हमें सभ्य होना सिखाती है। इसमें व्यक्ति के मनन, चेतना, सद्बुद्धि और विचारशीलता में वृद्धि करती है। ऐसा भी संभव होता है कि कई वर्षों के अध्ययन से व्यक्ति सभ्य और सुसंस्कृत नहीं हो पाता है। इसीलिए विचारकों ने शिक्षा और संस्कृति को अलग-अलग पैमाने से नापा है। सुसंस्कृत व्यक्ति सदैव संतुलित, शांत एवं नीति निर्णायक बन सकता है। पर कई उदाहरणों में ऐसा भी पाया गया है उच्च शिक्षित व्यक्ति उच्छृंखल हो सकता है. वर्तमान समय में उच्च शिक्षित और ज्यादा पढ़े लिखे अज्ञानियों की संख्या बहुतायत में है। ऐसा ज्यादातर तकनीकी शिक्षा के मामले में देखा गया है, इसीलिए उच्च शिक्षित व्यक्ति जो सद व्यवहार नहीं करता, उन्हें केवल साक्षर मान के शिक्षित व्यक्ति ना माना जाए। शिक्षा और संस्कृति तथा विरासत के मूल्य का आपस में गहरा संबंध है। जबकि साक्षरता का इससे बहुत दूर-दूर तक कोई लेना देना नहीं है। वैसे शिक्षा और संस्कृति के ज्ञान का प्रारंभिक गर्भावस्था से ही हो जाता है, अर्जुन पुत्र अभिमन्यु इस बात के बहुत बड़े उदाहरण है। महात्मा गांधी तथा अब्राहम लिंकन ने मनुष्य के चरित्र निर्माण एवं विकास के लिए माताओं का योगदान बहुत महत्वपूर्ण बताया है।

परिवार की शिक्षा के बाद विद्यालयों की शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसमें अनुशासन, सहभागिता, समानता एवं नेतृत्व जैसे गुणों का समावेश होता है। पुस्तकों का ज्ञान व्यक्ति एवं व्यक्ति के जीवन में संज्ञानात्मक विकास को बढ़ावा देता है। पर शिक्षक की भूमिका जिंदगी में बड़ी ही प्रेरणादाई होती है। यह कहा जाता कि बिना गुरु ज्ञान नहीं हो सकता है, लोकोक्ति सही भी है, शिक्षकों का मार्गदर्शन खेल खेलने से विकसित होने वाले मूल्य जैसे समूह की भावना, निष्पक्षता, ईमानदारी, साहस की भावना को परिष्कृत करती है। ऐसे कई उदाहरण हैं की बिना साक्षरता के व्यक्ति पूर्ण रूप से शिक्षित एवं सुसंस्कृत हो सकता है। अपने समय के महान चिंतक फिलासफर सुकरात ने कहा था कि मैं शिक्षित अथवा ज्ञानी इस अर्थ में हूं, कि मैं कुछ नहीं जानता। शिक्षा व्यक्ति के जीवन में अहंकार,लालच, हिंसा, कटुता आदि को नियंत्रित करने में मदद देती है। पुराण काल में रावण प्रकांड पंडित एवं साक्षर व्यक्ति माना जाता था पर स्त्री के अपहरण में उसका कृत्य अहंकार लालच लिप्सा उसकी साक्षरता को सार्थक नहीं कर पाई। पर आज के संदर्भ में जब आज का युग प्रतिस्पर्धा का युग है, साक्षरता ने शिक्षा की जगह वरीयता प्राप्त करना शुरू कर दिया है। यह माना जाता है जिस व्यक्ति के पास अच्छी नौकरी अच्छा पद और मोटी मोटी तनख्वाह है, उसका समाज ज्यादा ही सम्मान करने लगता है। इन्हीं कारणों से समाज मूल्य तथा संस्कृति के विकास को दरकिनार कर रोजगार मूलक साक्षरता को ही आज वरीयता देता है। और समाज उसे सिर आंखों पर बिठा के रखता है। इससे समाज के दीर्घकालिक सांस्कृतिक मूल्यों का हनन होता है, एवं क्षति भी होती है। और इस प्रक्रिया में साक्षरता पक्ष होने के कारण रोजगार साधन बन जाते हैं। एवं साधनों की परवाह न कर इसकी खुली अवहेलना हो लोग करने लगे हैं ,और इसी कारण शिक्षा के क्षेत्र में नकल, फजीवाड़े,धन देकर नौकरी प्राप्त करना आदि की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। साक्षर तो घोटालेबाज केतन पारेख हर्षद मेहता एवं कुख्यात आतंकवादी ओसामा बिन लादेन भी थे, किंतु इनकी शिक्षा की सार्थकता समाज द्वारा सदैव नापसंद की गई एवं समाज इन्हें हेय दृष्टि से देखने लगा है। आज के संदर्भ में ऐसी शिक्षा या साक्षरता की आवश्यकता है, जो मानव जीवन में मूल्यों का विकास एवं मूल्यों की प्रतिबद्धता विकसित कर सके। जिससे समाजिक गिरते मूल्यों तथा विरासत की अवहेलना ना हो सके। बिना मूल्यों के बिना संस्कृतिक विचारधारा के साक्षर होना ठीक उसी तरह है जैसे किसी बंदर के हाथ में बंदूक या उस्तरा देना है। हमें आज नैतिक साक्षरता देने की आवश्यकता होगी, जिससे व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास विरासत की रक्षा तथा मानवीय संवेदनाओं का संपुट हो, जो व्यक्ति को एक अच्छा इंसान बना सकें।

'सीखते हुए कमाएं' योजना को मजबूत और सार्थक बनाने की जरूरत है

-प्रियंका सौरभ

सीखते हुए कमाएँ योजना व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण को नौकरी के व्यावहारिक अनुभव के साथ जोड़ती है, जिससे छात्रों को अपनी पढ़ाई जारी रखते हुए वास्तविक दुनिया में काम करने का अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलता है। व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण को नौकरी बाजार की माँगों के लिए अधिक सार्थक और प्रासंगिक बनाने के लिए यह दृष्टिकोण आवश्यक है।

पर्यटन मंत्रालय वर्तमान में प्रशिक्षुओं के बीच मूल्यवान पर्यटन यात्रा कौशल और ज्ञान को बढ़ावा देने और उन्हें ऱछात्र स्वयंसेवकऱ के रूप में सेवा करने में सक्षम बनाने के लिए ऱसीखते हुए कमाएँऱ नामक एक योजना को लागू कर रहा है। यह योजना विशेष रूप से यात्रा उद्योग पर केंद्रित अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करती है, जो स्नातक पाठ्यक्रम करने वाले कॉलेज के छात्रों या 18 से 25 वर्ष की आयु के स्नातकों को लक्षित करती है। इसका उद्देश्य इन युवा व्यक्तियों को पर्यटन क्षेत्र में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर प्रदान करना है, साथ ही साथ आय अर्जित करना भी है। 'सीखते हुए कमाएँ' योजना के महत्त्वपूर्ण पहलू: ऱसीखते हुए कमाएँऱ योजना में कई महत्त्वपूर्ण पहलू शामिल हैं जो इसे लाभकारी और प्रभावशाली बनाते हैं। इन पहलुओं में कौशल विकास शामिल है। यह योजना यात्रा उद्योग पर केंद्रित अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करती है, जो ग्राहक सेवा, आतिथ्य और संचार जैसे क्षेत्रों में प्रतिभागियों के कौशल और ज्ञान को बढ़ाती है। प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के दौरान आय अर्जित करने का अवसर मिलता है, जो उनकी शिक्षा का समर्थन करने और वित्तीय स्वतंत्रता प्रदान करने में मदद कर सकता है। इस योजना के माध्यम से, प्रतिभागी छात्र स्वयंसेवकों के रूप में जुड़ते हैं, व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करते हैं और वास्तविक दुनिया की स्थितियों में अपने सैद्धांतिक ज्ञान को लागू करते हैं। प्रतिभागी पर्यटन उद्योग के भीतर संपर्क स्थापित करते हैं, पेशेवरों के साथ बातचीत करते हैं और भविष्य के रोजगार के अवसरों के लिए अपने नेटवर्क का विस्तार करते हैं। यह योजना कॉलेज के छात्रों और युवा स्नातकों को कौशल और ज्ञान से लैस करके सशक्त बनाती है जो उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाती है और पर्यटन क्षेत्र में उपयुक्त नौकरियाँ हासिल करने की उनकी संभावनाओं को बढ़ाती है। इस योजना का उद्देश्य भारत में पर्यटन उद्योग के विकास और वृद्धि में योगदान देने में सक्षम एक कुशल और जानकार कार्यबल तैयार करना है। सीखते हुए कमाएँ योजना व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण को सुविधाजनक और मजबूत बनाती है: सीखते हुए कमाएँऱ योजना विभिन्न तरीकों से व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण को महत्त्वपूर्ण रूप से सुविधाजनक और मजबूत बनाती है जैसे यह योजना प्रतिभागियों को व्यावहारिक सीखने के अवसर प्रदान करती है, जिससे उन्हें वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में सैद्धांतिक ज्ञान लागू करने की अनुमति मिलती है। यह व्यावहारिक अनुभव उद्योग प्रथाओं की उनकी समझ को बढ़ाता है और आवश्यक व्यावसायिक कौशल विकसित करता है। यह योजना विशेष रूप से यात्रा उद्योग पर केंद्रित है, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रतिभागियों को उद्योग की आवश्यकताओं और मांगों के साथ संरेखित प्रशिक्षण प्राप्त हो। यह उद्योग-केंद्रित दृष्टिकोण व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण की प्रासंगिकता को बढ़ाता है, प्रतिभागियों को नौकरी के लिए तैयार बनाता है और उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाता है। यह योजना प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के दौरान आय अर्जित करने में सक्षम बनाती है, जिससे व्यावसायिक शिक्षा तक पहुँचने में वित्तीय बाधाएँ कम होती हैं। यह वित्तीय सहायता न केवल भागीदारी को प्रोत्साहित करती है, बल्कि व्यक्तियों को अपने कौशल विकास में सक्रिय रूप से निवेश करने के लिए भी प्रेरित करती है। व्यावहारिक प्रशिक्षण और उद्योग प्रदर्शन प्रदान करके, यह योजना प्रतिभागियों की रोजगार क्षमता को बढ़ाती है। प्रतिभागी उद्योग-सम्बंधित कौशल और ज्ञान प्राप्त करते हैं, जिससे वे कार्यबल में प्रवेश करने और अपने चुने हुए क्षेत्र में सफल होने के लिए अच्छी तरह से तैयार हो जाते हैं। यह योजना शैक्षणिक संस्थानों और यात्रा उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देती है। यह सहयोग सुनिश्चित करता है कि व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम उद्योग के विशेषज्ञों के परामर्श से डिजाइन किए गए हैं, जिसमें उनकी अंतर्दृष्टि और आवश्यकताएँ शामिल हैं। यह शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग की जरूरतों के बीच संरेखण को मजबूत करता है, जिससे व्यावसायिक शिक्षा अधिक प्रभावी और उद्योग के लिए तैयार हो जाती है। ऱसीखते हुए कमाएँऱ योजना को मजबूत करना सुनिश्चित करता है कि व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप हैं। यह योजना छात्रों को उनके चुने हुए क्षेत्रों में व्यावहारिक, व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने की अनुमति देती है, जो कार्यबल में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल और आत्मविश्वास विकसित करने के लिए महत्त्वपूर्ण है।

अपनी शिक्षा जारी रखते हुए आय अर्जित करके, छात्र आंशिक रूप से या पूरी तरह से अपने शिक्षा व्यय का वहन कर सकते हैं। सीखते हुए कमाएँ योजना को मजबूत करने से कुशल श्रमिकों का उत्पादन कर-के कौशल अंतर को पाटने में योगदान मिलता है, जो नौकरी बाजार की मांगों को पूरा करने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित हैं। उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ाना: यह सहयोग सुनिश्चित करता है कि व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली नवीनतम उद्योग प्रवृत्तियों और तकनीकी प्रगति के साथ अद्यतित रहती है, जिससे अंततः छात्रों और नियोक्ताओं दोनों को लाभ होता है। यह योजना आजीवन सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देती है, क्योंकि छात्र नौकरी बाजार की लगातार बदलती मांगों के अनुकूल होते हैं।

सीखते हुए कमाएँ दृष्टिकोण छात्रों को सफल करियर के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से बेहतर ढंग से लैस कर सकता है। अंततः, यह एक अधिक कुशल, अनुकूलनीय और प्रतिस्पर्धी कार्यबल में योगदान देगा जो आर्थिक विकास और समृद्धि को बढ़ावा देता है। इसलिए, सीखते हुए कमाएँ योजना व्यावहारिक अनुभव, उद्योग प्रासंगिकता, आय सृजन, रोजगार क्षमता में वृद्धि, उद्योग के साथ सहयोग और कैरियर मार्ग अन्वेषण प्रदान करके व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण को सुगम और मजबूत बनाती है। ये पहलू सामूहिक रूप से एक कुशल और नौकरी के लिए तैयार कार्यबल के विकास में योगदान करते हैं, जो भारत में व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण के विकास को बढ़ावा देते हैं।

> **सार्थक व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण के लिए 'सीखते हुए कमाएँ' योजना को मजबूत करना अनिवार्य है। यह दृष्टिकोण सैद्धांतिक शिक्षा के साथ व्यावहारिक अनुभव को एकीकृत करता है, जिससे रोजगार क्षमता बढ़ती है। पर्याप्त समर्थन, उद्योग सहयोग और नीति समायोजन इसकी प्रभावशीलता को बढ़ा सकते हैं, शिक्षा को वास्तविक दुनिया की माँगों के साथ जोड़ सकते हैं और कुशल रोजगार को बढ़ावा दे सकते हैं।**

मुलुंड के पूर्व नगरसेवक जगजीवन तन्ना का दु:खद निधन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुलुंड के पूर्व नगरसेवक जगजीवन तन्ना (86वर्ष) का दुःखद निधन दिनांक 27 नवंबर 2024 को उनके मुलुंड पश्चिम स्थित निवास स्थान पर हो गया। वे दो बार नगरसेवक चुने गए तथा स्थायीसमिति के अध्यक्ष भी रहे। उनका अंतिम संस्कार मुलुंड प.स्थित हिन्दू मुक्ति धाम पर सुपुत्र पंकज एवं धीरेन द्वारा किया गया। उनकी अंतेयेष्टि में मुलुंड के सभी दलों के नेता एवं समाजसेवी उपस्थित थे। दिवंगत को श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु प्रार्थना सभा का आयोजन शुक्रवार 29 नवंबर 2024 को शाम 5 से 7बजे तक सारस्वत वाड़ी, झवेर रोड, मुलुंड प. पर किया गया है।

ऑडी इंडिया ने सबकी पसंदीदा नई ऑडी Q7 लॉन्च की

मुंबई। जर्मनी के लक्जरी कार निर्माता ऑडी ने आज भारत में नई ऑडी Q7 लॉन्च की। नई ऑडी Q7 में स्पोर्टी और शानदार डिजाइन का परफेक्ट संगम है। गाड़ी के हर हिस्से में सुंदरता और ताकत का अद्भुत मिश्रण नजर आता है। कार के आकर्षक डिजाइन में किए गए अपडेट्स और अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाओं के साथ नई ऑडी Q7 लक्जरी एसयूवी सेगमेंट में एक नया मानक स्थापित करती है। ऑडी Q7 दो वैरिएंट ऑडी Q7 प्रीमियम प्लस और ऑडी Q7 टेक्नोलॉजी में उपलब्ध होगी जिसकी एक्स-शोरूम कीमत क्रमशः 88,66,000 रुपये और 97,81,000 हैं। ऑडी इंडिया के प्रमुख श्री बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा, अब तक हम भारत में 10,000 से अधिक ऑडी Q7 की बिक्री कर चुके हैं। यह हमारी प्रमुख कार के प्रति उपभोक्ताओं की लगातार चाहत और प्यार का सबूत है। यह भारत में कई सालों तक सबसे ज्यादा बिकने वाली कार रही है। नई ऑडी Q7 में नया डिजाइन और कई अपडेटेड फीचर्स हैं। इसमें क्वॉट्रो ऑल-व्हील ड्राइव और थ्री लीटर वी6 इंजन भी है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह नई ऑडी Q7 एसयूवी खरीदने वालों को आकर्षित करती रहेगी, जो आराम से ड्राइविंग करना पसंद करते हैं और साथ ही आरामदायक यात्रा भी चाहते हैं।

इकोफाई की स्वेलेक्ट एनर्जी के साथ साझेदारी

मुंबई। भारत की ग्रीन-ओनली एनबीएफसी इकोफाई को एवरफोर्स कैपिटल का समर्थन प्राप्त है और यह भारत के ग्रीन ट्रांजिशन को फाइनेंस करने के लिए प्रतिबद्ध है। अब इकोफाई ने स्वेलेक्ट एनर्जी सिस्टम्स लिमिटेड (जिसे पहले न्यूमेरिक पावर सिस्टम्स लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) के साथ साझेदारी की घोषणा की है। स्वेलेक्ट एनर्जी सिस्टम्स लिमिटेड सोलर एनर्जी इकोसिस्टम में भारत के अग्रणी नामों में से एक है। उसके पास चार दशकों की विरासत है और ग्लोबल सोलर एनर्जी मार्केट में इसकी प्रभावी उपस्थिति है। यह साझेदारी दक्षिण भारत में सोलर एनर्जी की पहुँच को सभी के लिए सुलभ बनाने के लिए स्वेलेक्ट की मैन्युफैक्चरिंग और डिस्ट्रिब्यूशन शक्तियों के साथ इकोफाई की डिजिटल लोन विशेषज्ञता को जोड़ता है। इसके अलावा यह साझेदारी रणनीतिक रूप से सरकार की पीएम सूर्य घर पहल के साथ जुड़ी हुई है। इसका उद्देश्य सुलभ फाइनेंस सॉल्यूशन प्रदान कर रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन को अपनाने में तेजी लाना है। रूफटॉप सोलर स्पेस में इकोफाई की अग्रणी स्थिति और दक्षिण भारतीय बाजारों में स्वेलेक्ट की स्थापित मौजूदगी का लाभ उठाकर यह साझेदारी स्थायी ऊर्जा समाधानों की ओर ट्रांजिशन की मांग करने वाले ग्राहकों के लिए एक सहज इकोसिस्टम बनाने का प्रयास करता है। इकोफाई की सह-संस्थापक एमडी और सीईओ राजश्री नांबियार ने कहा, सरकारी पहल, तकनीकी प्रगति और बढ़ती पर्यावरण जागरूकता के विस्तार ने सोलर एनर्जी अपनाने के लिए एकदम सही माहौल तैयार किया है। स्वेलेक्ट के साथ हमारी साझेदारी फाइनेंस इनोवेशन को तकनीकी विशेषज्ञता के साथ जोड़ती है। स्वेलेक्ट की मैन्युफैक्चरिंग और डिस्ट्रिब्यूशन शक्तियों के साथ हमारे डिजिटल-फर्स्ट लोन अप्रौच को जोड़कर हम न केवल फाइनेंस सॉल्युशन प्रदान कर रहे हैं - बल्कि हम दक्षिण भारत में घरों और एमएसएमई के लिए ऊर्जा के क्षेत्र स्वावलंबन हासिल करने का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने 50 गंतव्यों का आंकड़ा किया पार, अपने विस्तारित नेटवर्क में बैंकॉक, दीमापुर और पटना को जोड़ा

मुंबई/पटना। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने अपने तेजी से बढ़ते नेटवर्क में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया है, जो भारत, मध्य पूर्व और दक्षिण पूर्व एशिया में 51 गंतव्यों तक विस्तारित है। बैंकॉक के लिए परिचालन 20 दिसंबर 2024 को शुरू होगा, जिसमें सूरत और पुणे को थाईलैंड की राजधानी से जोड़ने वाली सीधी उड़ानें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, एयरलाइन ने दीमापुर और पटना के लिए सेवाओं की शुरूआत के साथ अपने घरेलू नेटवर्क को मजबूत किया है, जो दीमापुर और गुवाहाटी, और पटना और बेंगलुरु और हैदराबाद के बीच दैनिक सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करता है। उड़ानें अब एयरलाइन की पुरस्कार विजेता वेबसाइट airindiaexpress.com और अन्य प्रमुख बुकिंग चैनलों पर बुकिंग के लिए खुली हैं। इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रबंध निदेशक आलोक सिंह ने कहा, ₹बैंकॉक को अपना 50वां गंतव्य बनाकर, एयर इंडिया एक्सप्रेस दक्षिण-पूर्व एशिया में अपनी उपस्थिति का तेजी से विस्तार कर रही है, साथ ही हम भारत में भी अपने घरेलू पदचिह्नों का विस्तार कर रहे हैं।

लंदन वॉल्व्स 2024 में भारत का शानदार प्रदर्शन

मुंबई/पटना। कार्डियोवैस्कुलर एवं स्ट्रक्चरल हार्ट सोल्युशन्स में विशेषज्ञता रखने वाली अग्रणी ग्लोबल मेड-टेक कंपनी मेरिल लाईफ साइसेंज ने पीसीआर लंदन वॉल्व्स 2024 और जीआईएसई 2024 (नेशनल कॉन्ग्रेस ऑफ इटैलियन सोसाइटी ऑफ इंटरवेंशनल कार्डियोलोजी) में मायवॉल ऑक्टाप्रो ट्रांसकैथेटर हार्ट वॉल्व (टीएचवी) के लॉन्च के साथ उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। विज्ञान जगत के इन प्रतिष्ठित आयोजनों ने मेरिल को आधुनिक हार्ट केयर (दिल की देखभाल) के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान किया। मायवॉल टीएचवी सीरीज, जिसे ट्रांसकैथेटर एओर्टिक वॉल्व रिप्लेसमेन्ट (टीएवीआर) प्रक्रियाओं में आधुनिक योगदान के लिए जाना जाता है, ने मायवॉल ऑक्टाप्रो टीएचवी के साथ नए बेंचमार्क स्थापित किए हैं। इस नई पेशकश के साथ लो फ्रेम फोरशॉर्टनिंग की शुरूआत हुई है, जो ऑपरेटर को बेहतर नियन्त्रण देता है और सटीक डिप्लॉयमेन्ट के साथ प्रक्रिया में पूवार्नुमान को बेहतर बनाता है।

इसके अलावा साइज मैट्रिक्स की बात करें तो इसमें कन्वेंशनल, इंटरमीडिएट और एक्स्ट्रा-लार्ज वॉल्व साइज शामिल हैं, ताकि मरीज के शरीर की संरचना के अनुसार सही साइज का वॉल्व चुना जा सके। डॉ रजनीश कपूर, चेयरमैन, इंटरवेंशनल कार्डियोलोजी, मेदांता द मेडिसिटी, गुरूग्राम, हरियाणा ने कहा, ह्लहमारी ळअश्कप्रेक्टिस बेहद व्यस्त है और मेरे सभी मरीज जिनका इलाज मायवॉल ऑक्टाप्रो के साथ किया गया है, वे स्वस्थ हैं। उनका इलाज पूरी तरह से सफल रहा है।

जिला प्रशासन ने बाल विवाह के विरुद्ध जन जागरूकता बढ़ाने हेतु रैली व शपथ ग्रहण समारोह का किया आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने विज्ञान भवन, नई दिल्ली में ₹बाल विवाह मुक्त भारत₹ अभियान का शुभारंभ किया। इस अभियान के तहत पालघर जिला प्रशासन द्वारा सामाजिक संगठन सोशल एम्पावरमेंट एंड वॉलंटरी एसोसिएशन (एस.ई.वी.ए.) और महाराष्ट्र सामाजिक विकास ट्रस्ट (एम.एस.वी.टी.) के सहयोग से बाल विवाह के खिलाफ जन जागरूकता बढ़ाने के लिए रैली और शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया।

बतादें कि एम.एस.वी.टी. और एस.ई.वी.ए. जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन का हिस्सा हैं, जो देश भर के 400 से अधिक जिलों में संचालित 225 से अधिक बाल संरक्षण गैर सरकारी संगठनों का एक राष्ट्रीय नेटवर्क है। इस अभियान से ठाणे और पालघर जिलों में जागरूकता बढ़ी है। जिलाधिकारी गोविंद बोडके एवं जिला बाल विकास अधिकारी विनोद राठोड ने हरी झंडी दिखाकर जिलाधिकारी कार्यालय से बाल विवाह के खिलाफ जन जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर ग्रामीण, ग्राम प्रधान, बाल

संरक्षण अधिकारी, आशा कार्यकर्ता, आंगनबाडी सेविका, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और इस दौरान सभी लोगों ने शपथ समारोह में भाग लिया। इस मौके पर जिलाधिकारी गोविंद बोडके ने बोलते हुए कहा कि "पालघर जिले को बाल विवाह से मुक्त कराने के लिए केंद्र सरकार का यह कदम महत्वपूर्ण है। नागरिकों को एम.एस.वी.टी. और एस.ई.वी.ए. संगठनों के सहयोग से इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए। सरकार जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है ह्व इस दौरान एम.एस.वी.टी. के अध्यक्ष मनोज गावंड ने बोलते हुए कहा कि ह्लहम बाल विवाह को रोकने के लिए सरकारी अधिकारियों और स्थानीय प्रमुखों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। यह अभियान हमारे प्रयासों को नई ऊर्जा और समर्थन देगा ह्व इस मौके पर एस.ई.वी.ए. अध्यक्ष एडवोकेट अशोक पवार ने बोलते हुए कहा कि बाल विवाह एक अपराध है और देश इसके खिलाफ चुप नहीं बैठेगा। हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं कि हर बच्चे को सही बचपन मिले। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान इन्हीं प्रयासों का एक हिस्सा है। इस अवसर पर कार्यक्रम प्रबंधक रामेश्वर भाले, परियोजना समन्वयक पालघर संजीवनी जाधव, वैभव गायकवाड़, निकिता ताम्हणकर और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे। केंद्र सरकार के अभियान का उद्देश्य सभी बच्चों को बाल विवाह के संकट से मुक्त करना और उनके अधिकारों की रक्षा करना है। पालघर जिला प्रशासन ने इस लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

विधायक दिलीप मामा लांडे को बधाईयों का तांता

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चांदिवली विधानसभा में दूसरी बार शिवसेना से निर्वाचित हुए विधायक दिलीप मामा लांडे को बधाईयों का तांता लगा हुआ है। बता दें कि वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में मात्र कुछ सौ वोट से दिलीप मामा लांडे विजई हुए थे लेकिन इस बार दिलीप लांडे भारी मतों से दूसरी बार विधायक चुने गए। जिसके कारण चांदिवली विधानसभा में जगह जगह दिलीप मामा लांडे का हर्षोल्लास के साथ स्वागत नागरिकों द्वारा स्वागत किया जा रहा है। साकीनाका के श्री नगर में समाचार ९ के संपादक शाहिद जमाल खान ने गुलदस्ता और शाल देकर बधाई देते हुए कहा कि मामा विकास पुरुष हैं चांदिवली विधानसभा में विकास की जो योजनाएं शुरू हैं वह उन्हीं की देन है। इस अवसर पर वार्ड क्रमांक १५८ के उप शाखा प्रमुख आशुतोष उपाध्याय, यल्लू पेरे सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

ऑनलाइन तथा ऑफलाइन सदस्यता अभियान चलाकर देशभर में 2 करोड़ नए सदस्यों को आरपीआई से जोड़ने का लक्ष्य: रामदास आठवले

मुंबई/नई दिल्ली (उत्तरशक्ति)। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मां.रामदास आठवले जी ने कहा कि पार्टी ने आज सदस्यों को डिजिटल रूप से जोड़ने के लिए डिजिटल सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया है।श्री आठवले जी ने कहा कि पार्टी संगठन को मजबूत बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों को आम जनता से संपर्क कर अधिक से अधिक संख्या में लोगों को डिजिटल रूप से पार्टी से जोड़ने के लिए संकल्पित होना चाहिए ।

बैठक में आरपीआई को गांव गांव तक मजबूत कर आम जनमानस को केंद्र की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने को लेकर विशेष चर्चा की गई।

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आ.) ने राजधानी दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक की अध्यक्षता रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया(आठवले) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मा. श्री रामदास आठवले जी ने कहा कि सभी प्रदेशों के अध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी तथा राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों पार्टी के वृहद सदस्यता अभियान चलाकर 2 करोड़ नए सदस्य बनाने का लक्ष्य हासिल करे ।

आरपीआई(आठवले) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मां.रामदास आठवले जी ने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया(आ) बाबासाहेब के आदर्शों व विचारों को आगे बढ़ाने का काम कर रही है । मा. रामदास

आठवले जी ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता वृहत सदस्यता अभियान में सक्रियता से अपनी भागीदारी दे तथा ग्राम, ब्लॉक स्तर पर भी कमेटियां गठित कराने में अपना योगदान दें।मां. रामदास आठवले जी ने कहा कि सदस्यता अभियान चलाकर देशभर में 2 करोड़ नए सदस्यों को पार्टी से जोड़ने का हमारा लक्ष्य है।

मा. रामदास आठवले जी ने कहा कि सभी पदाधिकारियों को अपने राज्य, जिला व ब्लॉक में आम जनता की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए आंदोलन चलाकर उन समस्याओं के निराकरण का सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना चाहिए, जिससे जनजन में पार्टी की पहुँच बढ़ेगी तथा पार्टी को राष्ट्रीय स्तर का दर्जा मिलने में ये सहायक सिद्ध होगा।

श्री आठवले ने कहा कि आने वाले दिनों में बाबासाहेब के विचारों को आगे बढ़ाते हुए एससी, एसटी, ओबीसी सहित समाज के वंचित, शोषित, महिलाओं व अन्य वर्ग के लोगों के कल्याण व उत्थान के लिए आरपीआई कार्यकताओं का हरसंभव प्रयास करना चाहिए।

संदेश विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। ज्ञान प्रसारक शिक्षण संस्था के शिक्षक मित्र प्राचार्य बालासाहेब म्हात्रे शैक्षणिक संकुल विक्रोली (पश्चिम) में संदेश विद्यालय और जूनियर कॉलेज ऑफ आर्ट्स कॉमर्स एंड साइंस और सनराइज इंग्लिश स्कूल की विज्ञान प्रदर्शनी क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले हॉल में बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुई।

मुख्य विषय शाश्वत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी' के तहत, प्रदर्शनी में 50 विज्ञान प्रकल्प प्रस्तुत किया गया।जिनमें कक्षा तीसरी से बारहवीं के प्रत्येक बैच से एक, सामाजिक, पर्यावरण-अनुकूल और वर्तमान जरूरतों पर आधारित सात उप-विषयों पर आधारित थी।

विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन संस्थान की ट्रस्टी मेघा म्हात्रे, सुखदा विद्यालय के प्राचार्य लखीचंद इंगले, संदेश विद्यालय-प्राथमिक पांडुरंग पुरी के प्राचार्य, राजीव गांधी विद्यालय के वरिष्ठ विज्ञान शिक्षक दर्शन हिरे की उपस्थिति में स्कूल के छात्रों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के संगीत शिक्षक मनोहर म्हात्रे के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने स्वागत गीत एवं विज्ञान गीत 'मानव कल्याणायै अहि, विज्ञानंचि साथ' प्रस्तुत किया. कार्यक्रम का संचालन शिवाजी बोरसे ने किया। प्रदर्शनी के प्रवेश द्वार के पास संस्थान के प्रयोगशाला सहायक महेश भुरके द्वारा विज्ञान विषय पर बनाई गई रोचक रंगोली ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। सनराइज इंग्लिश स्कूल की प्रिंसिपल फातिमा तोले, संदेश विद्यालय के वाइस प्रिंसिपल सुभाष पाटिल, पर्यवेक्षक अनिल कोल्हे, शिक्षकों और छात्रों ने प्रदर्शनी को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत की।

पिता एकनाथ शिंदे पर गर्व है, उन्होंने गठबंधन धर्म का पालन कर मिसाल कायम की: श्रीकांत शिंदे

मुंबई। शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे ने कहा है कि उन्हें अपने पिता एकनाथ शिंदे पर गर्व है, जिन्होंने व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को दरकिनार करते हुए गठबंधन धर्म का पालन करने का उदाहरण पेश किया है। एकनाथ शिंदे वर्तमान में महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री हैं। सांसद ने बुधवार रात सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उनके पिता का महाराष्ट्र के लोगों के साथ अटूट रिश्ता है। शिवसेना नेता ने कहा कि उन्होंने समाज के हर वर्ग के लिए दिन-रात मेहनत की। शिवसेना, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की सहयोगी है।

उनका यह बयान एकनाथ शिंदे (60) द्वारा बुधवार को की गई घोषणा के बाद आया है, जिसमें उन्होंने (कार्यवाहक मुख्यमंत्री ने) कहा था कि शिवसेना महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री के नाम के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के फैसले का समर्थन करेगी, जिससे भाजपा के लिए नयी सरकार का नेतृत्व करने का रास्ता साफ हो गया। कार्यवाहक मुख्यमंत्री ने कहा है कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय मंत्री शाह से बात की और उन्हें आश्वासन दिया है कि राज्य में नयी सरकार के गठन में उनकी ओर से कोई बाधा नहीं आएगी।

श्रीकांत शिंदे ने कहा, मुझे अपने पिता और शिवसेना प्रमुख पर गर्व है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर भरोसा बनाए रखा और अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को अलग रखते हुए गठबंधन धर्म का (बेहतरीन) उदाहरण पेश किया। उन्होंने कहा कि उनके पिता ने आम आदमी के रूप में काम किया और यहां मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास वर्षा के दरवाजे जनता के लिए खोले। कल्याण से सांसद श्रीकांत शिंदे ने कहा कि ऐसी धारणा है कि सत्ता सभी को लुभाती है, लेकिन एकनाथ शिंदे अपवाद हैं। उनके लिए राष्ट्र और लोगों की सेवा सर्वोपरि है तथा उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।

उन्होंने कहा कि गरीबों का आशीर्वाद ही एकनाथ शिंदे की संपत्ति है। राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन ने 20 नवंबर को हुए विधानसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल की। भाजपा ने 132 सीट, शिवसेना ने 57 और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने 41 सीट जीतीं तथा विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) को 46 सीट पर समेट दिया। शिंदे ने घोषणा की कि शिवसेना नयी सरकार के गठन में कोई बाधा नहीं बनेगी, जिसके बाद दो बार के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस राज्य में इस शीर्ष पद के लिए अग्रणी दावेदार के रूप में उभरे हैं। फडणवीस इस चुनाव में महायुति की शानदार जीत के सूत्रधारों में से एक हैं।

शिंदे, निवर्तमान उपमुख्यमंत्री फडणवीस और राकांपा के अजित पवार के साथ बृहस्पतिवार को नयी दिल्ली में शाह से मुलाकात कर सरकार गठन की रूपरेखा पर चर्चा कर सकते हैं। भाजपा सूत्रों ने पहले बताया था कि महाराष्ट्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेता भी बृहस्पतिवार को यहां भाजपा के शीर्ष नेताओं से मुलाकात कर सकते हैं। इससे संकेत मिलता है कि नयी सरकार में एक मुख्यमंत्री और महायुति के तीनों प्रमुख घटकों (भाजपा, शिवसेना, राकांपा) का प्रतिनिधित्व करने वाले दो उपमुख्यमंत्रियों के फामूर्ले का पालन किया जाएगा।

केप्री ग्लोबल ने गोल्ड लोन भुगतान और सहायता के लिए व्हाट्सएप चैटबॉट की शुरूआत की

मुंबई। एक प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी, केप्री ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड (केप्री लोन) ने अपने ग्राहकों के लिए गोल्ड लोन अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एक अक-सक्षम व्हाट्सएप चैटबॉट की शुरूआत की है। यह इनोवेटिव टूल सुरक्षित भुगतान सुविधाओं को एकीकृत करता है, जिससे उपयोगकर्ता व्हाट्सएप के माध्यम से अपने गोल्ड लोन खातों का प्रबंधन और भुगतान आसानी से कर सकते हैं, यह सुविधा ग्राहकों को शाखा में जाने की आवश्यकता को समाप्त करते हुए सुविधा और दक्षता को प्राथमिकता देती है।सक्रिय लोन धारकों के लिए गोल्ड लोन सेवाओं को आसान बनाने के लिए डिजाइन किया गया यह चैटबॉट कई सुविधाएँ प्रदान करता है, जिनमें व्यक्तिगत लोन स्टेटमेंट्स, फोरक्लोजर वैल्यू, ब्याज बकाया, और गिरवी रखे गए सोने के डॉक्यूमेंट का विवरण शामिल है— यह सब एक ही उपयोगकर्ता-अनुकूल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। यह चैटबॉट 24७7 उपलब्ध है और रियल टाइम में सहायता और व्यक्तिगत समर्थन प्रदान करता है, जो गोल्ड लोन ग्राहकों की अनूठी आवश्यकताओं को पूरा करता है। इन ग्राहकों में 60% से अधिक के पास एक से अधिक खाते हैं। वर्तमान में यह सेवा अंग्रेजी में उपलब्ध है, लेकिन केप्री लोन जल्द ही इसे कई अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में इसे शुरू करने की योजना बना रहा है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए केप्री ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड के गोल्ड लोन बिजनेस हेड, रविश गुप्ता ने कहा, ₹व्हाट्सएप चैटबॉट हमारे डिजिटल सफर में एक और परिवर्तनकारी कदम है, जिसे गोल्ड लोन ग्राहकों को सहज, सुलभ और सुरक्षित लोन प्रबंधन प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह नवाचार पारदर्शिता और दक्षता पर हमारे फोकस को दशार्ता है, साथ ही तकनीक के माध्यम से फाइनेंशियल इंक्लूजन को भी बढ़ावा देता है। इस चैटबॉट जैसे एडवांस टूल को एकीकृत करके, हमारा लक्ष्य ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाना और उपयोगकर्ता-अनुकूल वित्तीय समाधानों के लिए नए मानक स्थापित करना है।

आईईआईसी ने भारतीय गेमिंग उद्योग को नई पहचान देते हुए 100 से अधिक गेम्स को सर्टिफिकेशन प्रदान किया

मुंबई। इंटरैक्टिव एंटरटेनमेंट एंड इनोवेशन काउंसिल (आईईआईसी) ने एक अग्रणी स्टैटिस्टिकल मेथड (सांख्यिकीय पद्धति) का उपयोग करते हुए 100 से अधिक गेम्स को सफलतापूर्वक प्रमाणित किया है। यह गेम्स स्किल की प्रधानता पर आधारित है। आईआईटी दिल्ली, आईआईटी कानपुर, आईआईटी मद्रास और स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों के सहयोग से विकसित, यह नया तरीका 100 मिलियन से अधिक यूजर्स के अरबों गेमप्ले में यूजर के व्यवहार का विश्लेषण करता है। यह पहल स्किल आधारित गेम्स को चांस आधारित गेम्स से अलग करने की लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान करती है, जिससे स्पष्टता की स्थिति बहाल होती है और उद्योग और उपभोक्ताओं दोनों को लाभ होता है।

यह प्रमाणीकरण उपभोक्ताओं को वैध कौशल-आधारित गेमिंग प्लेटफॉर्म और अवैध सट्टेबाजी और जुआ प्लेटफॉर्म के बीच अंतर करने में सक्षम बनाता है, जिससे उन्हें संभावित नुकसान से बचाने में मदद मिलती है। स्किल की प्रधानता के लिए भारत के सर्वोच्च न्यायालय के परीक्षण पर आधारित एक मजबूत मूल्यांकन पद्धति को बढ़ावा देकर आईईआईसी एक निष्पक्ष, पारदर्शी और जिम्मेदार गेमिंग ईकोसिस्टम को बढ़ावा दे रहा है।आर्टून, ऐपऑन, हैश बाइट, मैक्सप्ले, स्मैश हेड, विन्जो और प्ले बाइट्स सहित 50 से अधिक प्रमुख स्टूडियो द्वारा विकसित प्रमाणित गेम-आर्केड गेम, स्पोर्ट्स सिमुलेशन, पहेलियां, कार्ड गेम और बोर्ड गेम जैसी विविध श्रेणियों में फैले हुए हैं। यह प्रमाणीकरण न केवल इन डेवलपर्स की रचनात्मक कल्पना को मान्यता देता है बल्कि इंटरैक्टिव मनोरंजन क्षेत्र में स्किल-आधारित गेम के आकर्षण को भी बढ़ाता है। आईईआईसी की प्रमाणन प्रक्रिया एक बहुआयामी मूल्यांकन पद्धति का लाभ उठाती है, जो खिलाड़ी के व्यवहार, स्किल स्थिरता, रणनीतिक निर्णय लेने और सांख्यिकीय विश्लेषण की जांच करती है।

गेमिंग और जुए के मिक्स को संबोधित करते हुए यह पहल उन नियामक अस्पष्टताओं का समाधान करती है, जो उद्योग के विकास में बाधक है, जैसे कि वैध गेमिंग व्यवसायों पर हाल ही में की गई 400% जीएसटी वृद्धि का फैसला।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जीवन में किताबों के मोल को समझने वाला होता है सफलः प्रो.वंदना सिंह

'पढ़े विश्वविद्यालय-बढ़े विश्वविद्यालय' कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में राजभवन लखनऊ के दिशा निर्देश के क्रम में गुरुवार को 'पढ़े विश्वविद्यालय-बढ़े विश्वविद्यालय' कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय में विद्यार्थियों के साथ किताब पढ़ी। कुलपति प्रो.वंदना सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि किताबें हमेशा से हमारे साथ ही रही है और हमेशा साथ रहेंगीं। जीवन में जिसने किताबों के मोल को समझा वो निश्चित रूप से सफल होता है।किताबें हमारे जीवन में सबसे बड़े पथ प्रदर्शक के रूप में कार्य करतीं है। किताबें ज्ञान का भंडार है हमें किसी भी विषय पर अगर कोई भी ज्ञान चाहिए तो किताबें उसे प्रदान करतीं है। आज के दौर में ऑनलाइन पुस्तकें पढ़ने के लिए उपलब्ध है।लेकिन ऑफलाइन पुस्तकें पढ़ने की आदत होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी दोनों के लिए किताबों की बड़ी महत्ता है। शिक्षक पुस्तकों को आधार बना कर ही विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करता है।उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि किताबों से कभी दूर मत हो। व्यवहारिक मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि किताबों को पढ़ने से हमारी सोच में बदलाव आता है। अपने विषय के साथ ही साथ प्रेरणादायक पुस्तकों को भी पढ़ना चाहिए. विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग, फामेर्सी एवं प्रबंध अध्ययन संकाय के विभिन्न विभागों में शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने अपने-अपने विभाग में पुस्तक पढ़ीं।

वहीं इसके साथ ही प्रशासनिक भवन में विश्वविद्यालय के कुलसचिव महेंद्र कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह, अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी किताबें पढ़ीं. परिसर के विभिन्न संकायों में आयोजित कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो.अजय द्विवेदी, प्रो.मानस पाण्डेय, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. सौरभ पाल, प्रो.प्रमोद यादव, प्रो.अशोक श्रीवास्तव, प्रो.रजनीश भास्कर, प्रो.राज कुमार, प्रो.देवराज, प्रो.गिरिधर मिश्र, डॉ.एसपी तिवारी, डॉ.दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ.वनिता सिंह समेत विभिन्न संकायों में शिक्षक, विद्यार्थी और कर्मचारियों ने पुस्तक पढ़ीं।

जौनपुर में करोड़ों रुपये की अष्टधातु की मूर्ति चोरी

रियाजुल हक क्राइम रिपोर्टर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र स्थित जमैथा गांव के प्राचीन ठाकुर बाबरी मंदिर से रविवार की रात मुर्गों ने भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की अष्टधातु की मूर्तियां चुराईं। यह घटना पूरे गांव में मच गई है। घटना की सूचना की सूचना ही पुलिस विभाग ने निरीक्षण और जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। गुरुवार की सुबह जब मंदिर के एक छात्र ने ताला तोड़ दिया।तो उसने तुरंत पुजारी और मूर्ति को सूचना दी। देखते ही देखते गांव के लोग मंदिरों पर एकत्रित हो गए और मूर्तियां बना लीं। समीक्षा के अनुसार, यह मंदिर आदिगंगा के तट पर स्थित है और जमदग्नि ऋषि की तपोस्थली के रूप में प्रसिद्ध है। इस मंदिर का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व है। प्रधान अमरसेन यादव ने बताया कि यह मंदिर काफी खतरनाक स्तर पर था। 1995 में भी यहां से मूर्तियां चोरी हो गई थीं।लेकिन बाद में खेत से बरामद हो गईं। हाल ही में गांव के लोगों ने चंदा एकत्र कर मंदिर का जीर्णोद्धार किया और मजबूत दरवाजे भी स्थापित किये। दस दिन पहले ही दिवाकर तिवारी को पुजारी नियुक्त किया गया था।जो मंदिर के पास ही एक कमरे में स्थित थे। चोर रात में गेट का लॉक लॉक रात को चोर ग्यान का लॉक लॉक जगह से उखाड़ कर ले गए। सुबह गांव का एक युवा मंदिर पर उद्घाटन। वहां पर मंदिर से मूर्तियां देख कर पुजारी को जगाया गया। उसके बाद बस्ती के लोग मंदिर पर चले गये। उन्होंने घटना की सूचना पुलिस को दी। इस विषय पर थानाप्रभारी जफराबाद सलाई यादव मय फोर्स माच पर पहुंच गए। उन्होंने घटना को लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

अपनी नियुक्ति पत्र की मांग को लेकर धरने पर बैठे लोक सेवा आयोग के चयनित अभ्यर्थी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ जीजीआईसी राजकीय (एलटी ग्रेट और प्रवक्ता) में चयनित और शासन से मंजूरी के बाद भी नियुक्ति पत्र से वंचित सैकड़ों अभ्यर्थियों का माध्यमिक शिक्षा शिविर कार्यालय हजरतगंज लखनऊ पर प्रदर्शन हुआ। लोक सेवा आयोग के विज्ञापन संख्या ए1/ई- 1/2018 अवशेष श्रेष्ठता सूची से अंतिम रूप में चयनित और शासन से मंजूरी के बाद भी 522 प्लस अभ्यर्थी करीब 17 महीने से अपनी नियुक्ति के लिए माध्यमिक शिक्षा निदेशालय शिविर कार्यालय हजरतगंज पर नियमित रूप से धरना प्रदर्शन कर रहे है। अभ्यर्थियों का माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ महेंद्र देव और अपर शिक्षा निदेशक राजकीय अजय कुमार द्विवेदी के द्वारा संयुक्त रूप से पिछले 17 महीनों से आश्वाशन पर आश्वासन दे रहे हैं। अभ्यर्थियों का अधिकारी द्वय के आश्वासनों से अब सब्र टूट रहा है। पीड़ित अभ्यर्थियों का दावा है कि उन्हें आश्वसन पर आश्वासन नहीं चाहिए उन्हें अतिशीघ्र नियुक्ति चाहिए। अब उनसे उनका सामाजिक, आर्थिक और मानसिक प्रताड़ना बर्दाश्त नहीं हो रहा है। प्रदर्शन में शामिल महिला अभ्यर्थियों का आरोप है कि यदि उनकी नियुक्ति अति शीघ्र नहीं हुई तो वे आत्मदाह सरीखे कदम उठाने को मजबूर हो जाएंगी।

इन 522+ अभ्यर्थियों की सूची में पूर्वांचल के अभ्यर्थियों का भी दबदबा है। पूर्वांचल के बड़े बड़े नेताओं के के पास भी ये अभ्यर्थी अपनी फरियाद लेकर जा चुके है लेकिन उनके पैरवी का भी अभी तक इन अधिकारियों पर कोई असर नहीं पड़ा है।

प्रदर्शन में शामिल अभ्यर्थियों में मुख्यतः प्रियंका दीक्षित, निशी सिंह, नाजरीन, अंजनी कुमार पाण्डेय, श्याम नारायण यादव, आशीष सिंह, गणेश कुमार, नीरज कनौजिया, अवधेश सिंह, अर्जुन सोनी, अंजनी प्रजापति, संजय चौधरी, वीरेंद्र कुमार प्रजापति, संतोष कुमार सिंह, उमेश कुमार सिंह, जय सिंह आदि प्रमुख रूप से रहे है।

मिल गया बीएचयू को सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय का पुरस्कार

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। बीएचयू को सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय का पुरस्कार दिया गया। बीएचयू को यह सम्मान राष्ट्रीय भू-स्थानिक नीति, भारतीय अंतरिक्ष नीति को सही रूप से अपनाने और आईआईटी-बॉम्बे, फोस्सी व जीआईएस की कई पहल में जागरूकता फैलाने व भागीदारी करने में योगदान के लिए दिया गया है। यही नहीं, बीएचयू में पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान के ही वैज्ञानिक डॉ. प्रशांत कुमार श्रीवास्तव को राष्ट्रीय भू-स्थानिक संकाय फेलो पुरस्कार मिला। इस साल देशभर से कुल छह वैज्ञानिकों को ये पुरस्कार मिला है। इसमें डॉ. प्रशांत सबसे युवा वैज्ञानिक हैं। शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आईआईटी-बॉम्बे द्वारा विकसित संस्था फोस्सी (शिक्षा के लिए निःशुल्क/मुक्त और मुक्त स्रोत सॉफ्टवेयर) की ओर से ये सम्मान दिया गया है। राष्ट्रीय भू-स्थानिक पुरस्कार की ज्यूरी समिति ने इस अवॉर्ड के विजेताओं के नाम तय किए हैं। डॉ. प्रशांत कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय को मिले इस पुरस्कार के बाद अब यहां के विज्ञान के छात्र-छात्राओं को इंटर्नशिप और फेलोशिप करने का मौका मिलेगा। समर-विंटर वैकेशन रिसर्च और कई बड़े सम्मेलनों में भी हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। विश्वविद्यालय अब अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों और सरकारी एजेंसियों के साथ मिलकर काम करेगा। निकालते हैं क्षेत्र विशेष का सैटेलाइट डेटा डॉ. प्रशांत कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि भू-स्थानिक तकनीक से किसी बड़े इलाके का पूरा रियल टाइम डेटा निकालने में मदद मिलती है। भू-स्थानिक का अर्थ है कि किसी क्षेत्र का पूरा डिटेल देना। सैटेलाइट से कनेक्ट करके इससे लैंड स्लाइडिंग, सूखा क्षेत्र की पहचान और बाढ़ग्रस्त इलाके का डेटा निकालना आसान होता है। आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में इस तकनीक की काफी मदद ली जा रही है।विज्ञान के छात्रों को दी जाएंगी ये सुविधाए साल 2025 से देश के किसी भी संस्थान में छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय भू-स्थानिक इंटर्नशिप करने का मौका मिलेगा। आईआईटी बॉम्बे में शीतकालीन और ग्रीष्मकालीन स्कूल में शोध करने का अवसर मिलेगा। छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय भू-स्थानिक अनुसंधान फेलोशिप भी मिलेगी। राष्ट्रीय स्तर के जीआईएस उद्योग-अकादमिक सम्मेलन में यहां के छात्र हिस्सा ले सकते हैं। फोस्सी जीआईएस की सभी गतिविधियों में ज्ञान भागीदार बनने का मौका मिलेगा।

विज्ञान के छात्र पूरे भारत में कहीं भी कर सकेंगे इंटर्नशिप

टीबी मुक्त ग्राम पंचायत और फैमिली गिवर केयर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

निशानाथ

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। विकासखण्ड शाहगंज सोंधी सभागार में गुरुवार को राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन के तहत टीबी मुक्त ग्राम पंचायत और फैमिली गिवर केयर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता एडीओ आइएसबी संजय श्रीवास्तव ने की कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सहायक विकास अधिकारी पंचायत उमेश चंद्र द्विवेदी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए एडीओ आइएसबी संजय श्रीवास्तव ने कहा कि टीबी जैसी गंभीर बीमारी को जड़ से खत्म करने के लिए सामुदायिक जागरूकता और पंचायत स्तर पर ठोस प्रयास जरूरी हैं। यह कार्यक्रम इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने फैमिली गिवर केयर पहल को सराहते हुए कहा कि यह मरीजों और उनके देखभाल कर्ताओं की गुणवत्ता जीवन को सुधारने में सहायक है। कार्यक्रम में प्रशिक्षक विवेक त्रिपाठी, एआरओ विप्लव और यूनिसेफ मॉनिटर अवधेश तिवारी ने टीबी के रोकथाम, लक्षण और इलाज के तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा, टीबी उन्मूलन के लिए शुरूआती पहचान और उपचार बहुत जरूरी है।साथ ही सरकार द्वारा चलाई जा रही निक्षय पोषण योजना जैसी योजनाएं मरीजों के पोषण और आर्थिक सहायता में सहायक साबित हो रही हैं। ग्रामों में क्षय रोगियों की मदद के लिए आशा और सीएचओ को प्रशिक्षित किया गया है। एडीओ पंचायत उमेशचंद्र द्विवेदी ने कहा कि 2025 के अंत तक सभी ग्रामों को टीबी मुक्त किया जाना है। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों ने सामुदायिक स्तर पर टीबी उन्मूलन के लिए अपने-अपने सुझाव साझा किए और इस दिशा में एकजुट होकर काम करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सचिव संतोष यादव, संतोष कुमार राजभर, कमलाकांत मौर्य, विजय कुमार, प्रेम यादव,विपिन कुमार यादव, प्रधान राजकुमार बिंद, चंद्रशेखर, बीडीसी मोहम्मद अजीम सिद्दीकी ने पंचायत स्तर पर ऐसे कार्यक्रमों की सराहना करते हुए टीबी उन्मूलन के लिए अपनी पूर्ण भागीदारी का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने टीबी मुक्त ग्राम पंचायत बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने हेतु शपथ ली।

छूटे हुए बच्चों के टीकाकरण के लिए चलाया गया अभियान

◆ क्षेत्र के मनेछा, सबरहद व क्यार गाँव पहुँची टीम

मोहम्मद अफजल

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। विकासखण्ड शाहगंज सोंधी क्षेत्र के अंतर्गत स्थित विभिन्न गाँवों को 1 से 5 वर्ष तक के बच्चों को टीकाकरण कराया गया। ऐसे में जो बच्चे छूट गए या टीका लगवाने से इंकार कर दिया तो ऐसे बच्चों को नियमित टीकाकरण कराने के लिए गुरुवार को विभिन्न गाँव में टीम पहुँचकर छूटे हुए बच्चों को टीकाकरण कराया गया। डा. सूर्य प्रकाश यादव ने बताया कि नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत एमआर कैच अप टीकाकरण कार्यक्रम के तहत 1 से 5 वर्ष के छूटे हुए बच्चों के लिए गुरुवार को टीकाकरण अभियान चलाया गया।

यह अभियान उक्त डॉक्टर के नेतृत्व में बीआरटी टीम ने मनेछा, सबरहद व क्यार गाँव में भ्रमण कर छूटे हुए बच्चों को टीकाकरण कराने के लिए प्रेरित कर टीकाकरण कराया गया। इस दौरान टीकाकरण से इंकार और झिझक रहे परिवारों को स्थानीय प्रभावशाली व्यक्तियों से सम्पर्क कर टीकाकरण के लिए प्रेरित कर टीकाकरण कराया। इस दौरान अवधेश कुमार तिवारी बीएमसी यूनिसेफ, विप्लव यादव, राहुल यादव प्रतिरक्षण अधिकारी मौजूद रहे।

प्राइवेट लाइनमैन की उपचार के दौरान मौत, मुकदमा दर्ज

धर्मेंद्र कुमार शर्मा

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के पूरामुकुंद गांव में मंटू कार्लो कंपनी के द्वारा बिना शटडाउन लिए विद्युत कार्य करवाते समय करेंट की चपेट में आने से बुधवार की शाम सिंगरामऊ निवासी प्राइवेट लाइनमैन अजय गौतम गंभीर रूप से झुलस गया। जिसे आनन फानन में बदलापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां हालात गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हालत में सुधार न होने पर जिला अस्पताल के डॉक्टर ने भी वाराणसी रेफर कर दिया। इस संबंध में गुरुवार की दोपहर क्षेत्राधिकारी बदलापुर प्रतिमा वर्मा अपना बयान जारी करते हुए बताया कि मंटू कार्लो कंपनी के के मैनेजर द्वारा बिना शटडाउन लिए बिजली का कार्य कराया जा रहा था। जिससे यह हादसा हुआ। वादी की लिखित तहरीर के आधार पर तीन लोगों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अजय गौतम अपने पीछे पत्नी सहित दो बच्चे छोड़ गए हैं। उधर परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

पूर्व विधायक के प्रतिनिधि खुर्शीद के हमलावर गिरफ्तार

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा विधायक प्रतिनिधि पर हमला करने वाले हमलावरों को गिरफ्तार किया गया। दिनांक-22.11.2024 को पूर्व विधायक प्रतिनिधि खुर्शीद अनवर पुत्र फैय्याज अहमद निवासी पाराकमाल थाना खेतासराय जौनपर के उपर 4-5 अज्ञात बदमाशो द्वारा लाठी डण्डा व राड से हमला कर घायल कर दिया था।जिस पर खुर्शीद अनवर के पिता फैय्याज अहमद की तहरीर पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 248/2024 धारा 191(2), 115(2), 352, 351(3), 117(2) बीएनएस बनाम 4-5 अज्ञात पंजीकृत किया गया था। इलेक्ट्रानिक व मैनुअल साक्ष्यों के आधार पर घटना में शामिल हमलावरों को आजाद नहर पुलिया से मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जा रही हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण इस प्रकार है 1-अंकित मौर्य पुत्र राजेन्द्र मौर्य गोपालापुर थाना कोतवाली जौनपुर। 2-दीपक जायसवाल पुत्र राजकुमार जायसवाल निवासी सकरमण्डी थाना कोतवाली जौनपुर। 3-अंकुल मौर्य पुत्र सुदर्शन मौर्य निवासी पदुमपुर थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर।

किसान कार्ड के लिए हर गांव में लगेंगे शिविर

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। इसी के जरिए पीएम किसान सम्मान निधि सहित अन्य योजनाओं का मिलेगा लाभ पूरा विवरण दर्ज होने के बाद जारी होगा किसान का यूनिक नंबर, आधार की तर्ज पर किसान कार्ड बनाया जाएगा इसके लिए गुरुवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों सहित जिला एवं तहसील स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षित किया गया।

जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र ने बताया कि रोस्टर जारी कर 31 दिसम्बर तक जिले की समस्त राजस्व गांवो में किसान रजिस्ट्री की शुरूआत कर दी जाएगी, इसमें किसान का आधार नंबर, खेत का रकबा नंबर, खसरा नंबर, मोबाइल नंबर आदि का विवरण दर्ज किया जाएगा। पूरा विवरण दर्ज होने के बाद किसानों को एक यूनिक नंबर जारी होगा। इस नंबर के जरिए ही संबंधित किसान का पूरा विवरण देखा जा सकेगा। रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण होने के बाद किसान कार्ड बनाया जाएगा कार्ड से मिलने वाले नंबर के जरिए ही पीएम किसान सम्मान निधि सहित अन्य योजनाओं का लाभ किसानों को दिया जाएगा। किसान कार्ड के लिए जिले के हर राजस्व गांव में शिविर का आयोजन किया जा रहा है इसमें कृषि विभाग/पंचायत विभाग एवं राजस्व विभाग के दो-कर्मचारी रहेंगे। शिविर में गांव के संबंधित किसान का नाम, पिता का नाम, स्वामित्व वाले सभी गाटा संख्या, सहखातेदार होने की स्थिति में गाटों में किसान का अंश,आधार नंबर, ई-केवाईसी विवरण आदि दर्ज करेंगे। किसी प्रकार के स्वामित्व स्थानांतरण (विसारत, बैनामा आदि) होने पर किसान रजिस्ट्री में बदलाव किया जा सकेगा। इससे किसान के हर गाटे में हर सत्र में बोई जाने वाली फसल का विवरण भी शामिल किया जाएगा। किसान कार्ड से फायदे के बारे में बताते हुए कहा कि अभी तक किसान को किसी भी तरह का ऋण लेने के लिए बार-बार राजस्व रिकार्ड देना पड़ता है, किसान रजिस्ट्री होने पर उसके नंबर को संबंधित एप पर डालकर उसका पूरा विवरण देखा जा सकेगा, इससे किसान कल्याण की योजनाएं बनाने और उसके क्रियान्वयन में आसानी होगी। लाभार्थियों को सत्यापन कृषि उत्पाद के विपणन और अन्य वित्तीय मामलों में सहूलियत होगी। साथ ही पीएम किसान सम्मान निधि भुगतान, फसली ऋण के लिए किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा, आपदा के दौरान किसानों को क्षति पूर्ति देने के लिए किसानों का चयन करने में आसानी होगी। साथ ही राजस्व विवादों का भी निस्तारण होगा।

कृषि मंत्री ने लिया बाबा विश्वनाथ जी का आशीर्वाद

सूर्य प्रताप शाही ने दिवंगत पूर्व विधायक के यहां पहुंचकर व्यक्त किया शोक संवेदना

डॉ.एसके.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने अपने एक दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान बाबा विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया। बाबा के आशीर्वाद लेने के बाद वह दिवंगत पूर्व विधायक श्याम देवराय चौधरी के घर पहुंचे। उनके परिवार से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। श्याम देवराय चौधरी से अपने पुराने संबंधों को याद करते हुए मंत्री ने कहा कि दादा का जाना हम सभी के लिए एक बड़ी क्षति है। जब मैं विधायक था। दादा मेरे कई चुनावों में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहते थे। उनकी अनुपस्थिति हमेशा महसूस होगी। सूर्य प्रताप शाही ने परिवार को सांत्वना दी। कहा कि वह इस कठिन समय में उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने दिवंगत पूर्व विधायक के योगदान को याद करते हुए उन्हें एक मजबूत और प्रेरणादायक व्यक्तित्व बताया।

ठंड में हड्डी रोगियों को रखना होगा विशेष ध्यानः डा.सालेह

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जैसे जैसे मौसम का मिजाज बदल रहा है और वातावरण में ठंड बढ़ रही है वैसे वैसे हड्डी और गठिया के मरीजों की दिक्कतें भी बढ़ने लगती है। सर्दियों के मौसम और जोड़ों के दर्द की बात करें तो सिद्धांत यह है कि जब बाहर ठंड होती है, तो हाथों और पैरों में नसें और रक्त वाहिकाएँ सिकुड़ जाती हैं।जिससे हमारे अंदरूनी हिस्से (हृदय और अंग) को गर्म रखने के लिए रक्त प्रवाह और परिसंचरण कम हो जाता है। "इससे हमारे जोड़ अधिक कठोर और दर्दनाक हो जाते हैं। इस सम्बंध में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर मो. सालेह से बाचतीत करने पर उन्होंने बताया की अपने शरीर पर ठंड के मौसम के झटके को कम करने के लिए गर्म रहने के लिए कई परतें पहनें। व्यायाम के माध्यम से मांसपेशियों और हड्डियों की ताकत बढ़ाएं । इससे आपके जोड़ों पर दबाव कम होता है। इसलिए उन्हें चोट लगने की संभावना कम होती है। अपने जोड़ों, खासकर अपने घुटनों पर तनाव कम करने के लिए स्वस्थ वजन बनाए रखें। श्री सालेह ने आगे बताया की सर्द मौसम में अपने आहार में डेयरी प्रोडक्ट्स कैल्शियम के लिए दूध, पनीर और दही जैसे डेयरी प्रॉडक्ट्स का सेवन करना चाहिए क्योंकि इसमें मौजूद खनिज हड्डियों की मजबूती के लिए जरूरी होते हैं। हरी पत्तेदार सब्जियां, अंडे, फैटी मछली, मेवे आदि का सेवन करना चाहिए। डाक्टर सालेह ने एक सवाल के जवाब में कहा की हड्डियों की संरचना और मजबूती के लिए रोजाना कैल्शियम का सेवन करना जरूरी है। सप्लीमेंट की जगह खाद्य पदार्थों से कैल्शियम प्राप्त करना भी सबसे अच्छा है। मजबूत हड्डियों के निर्माण के लिए विटामिन डी और विटामिन के बेहद जरूरी हैं। विटामिन डी शरीर को कैल्शियम को अवशोषित करने में मदद करता है।

जौनपुर को एक और ट्रेन की सौगात, आसान होगी टाटानगर और अमृतसर की राह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद वासियों के लिए टाटानगर और अमृतसर की राह जल्द आसानी होने वाली है। रेलवे बोर्ड के संयुक्त निदेशक कोचिंग विवेक कुमार सिन्हा ने 18103/18104 टाटानगर-अमृतसर जलियाबाग एक्सप्रेस को ठहराव देने के निर्णय का आदेश जारी किया है। यह ट्रेन अभी वाराणसी के बाद शाहगंज,अयोध्या के रास्ते लखनऊ पहुंचती है। जौनपुर में ट्रेन कब से रुकेगी,इसकी तिथि मुकर्रर नहीं हो पाई है। यह जरूर है।दिसंबर में जलियावालाबाग एक्सप्रेस समेत महत्वपूर्ण स्थानों को जाने वाली चार अतरिक्त ट्रेनों का ठहराव जरूर शुरू हो जाएगा। तीन जोन के रेल महाप्रबंधकों से मांगी राय जालियावालाबाग एक्सप्रेस टाटानगर से चलकर डीडीयू, वाराणसी के रास्ते अयोध्या, लखनऊ होते मंजिल तक पहुंचती है। ट्रेन इस दौरान नार्दन रेल, पूर्व मध्य रेल और साउथ इस्टर्न रेल के सीमा क्षेत्र से होकर गुजरती है। इसलिए तीनों जोन के महाप्रबंधक और मुख्य यात्री यातायात प्रबंधक (सीपीटीएम) से भी राय मांगी गई है। इसलिए भी कि ट्रेन के जौनपुर में ठहराव देने की स्थिति में पूर्व के ठहराव वाले रेलवे स्टेशनों के समय में फेरबदल करना होगा। निर्णय को बरकरार रखने को की जाएगी निगरानी ट्रेन का ठहराव शुरूआत में अस्थाई रूप से किया जाएगा। उसके बाद रेल अफसर ट्रेन से उतरने और चढ़ने वाले यात्रियों, रिजर्व, अनरिजर्व टिकटों की संख्या पर ध्यान दिया जाएगा। रेलवे के मानक अनुरूप आंकड़े सामने आए तो रेलवे अपने निर्णय को बरकरार रखेगा। ट्रायल बेस पर जालियावालाबाग एक्सप्रेस को रोकने की तैयारी है। यह ट्रेन वाराणसी होते हुए जौनपुर के रास्ते अयोध्या होते हुए लखनऊ फिर अमृतसर पहुंचती है। नई बात यह होगी कि इसे जौनपुर रोकने पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, तिथि निर्धारित नहीं है -अर्पित गुप्ता, निदेशक कैंट रेलवे स्टेशन जौनपुर जं0 को तीन और ट्रेनों की मिलेगी सौगात, नौ दिसंबर से जौनपुर होकर चलेंगी 11081 मुंबई (एलटीटी)-गोरखपुर एक्सप्रेस (प्रत्येक बुधवार को चलने वाली) जौनपुर में रात 11.20 बजे पहुंचकर 11.30 बजे रवाना। 11082 गोरखपुर-मुंबई (एलटीटी) एक्सप्रेस (प्रत्येक शुक्रवार चलने वाली) जौनपुर में शाम 07.40 बजे पहुंचकर 07.45 बजे रवाना। 22323 कोलकाता-गोरखपुर (शब्दभेदी) एक्सप्रेस (प्रत्येक गुरुवार चलने वाली) जौनपुर में रात 11.55 बजे पहुंचकर 12 बजे रवाना। 22324 गोरखुपर-कोलकाता (शब्दभेदी) एक्सप्रेस (प्रत्येक गुरुवार चलने वाली) जौनपुर में रात 12.05 बजे पहुंचकर 12.10 बजे रवाना। 15022 गोरखुपर-शालीमार एक्सप्रेस (प्रत्येक सोमवार चलने वाली) जौनपुर में शाम 4.10 बजे पहुंचकर 4.15 बजे रवाना। 15021 शालीमार-गोरखपुर एक्सप्रेस (प्रत्येक मंगलवार चलने वाली) जौनपुर में दोहपर में 01.50 बजे पहुंचकर 01.55 बजे रवाना होगी।

रिटायर फौजी ने सिर में गोली मारकर दी जान

बरेली (उत्तरशक्ति)। बरेली में शीशगढ़ क्षेत्र के गांव बंजरिया निवासी रिटायर सैन्यकर्मी (40 वर्ष) ओमवीर ने सिर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। वह इज्जतनगर क्षेत्र की हंस नगर कॉलोनी मठ लक्ष्मीपुर में परिवार के साथ रहते थे। बृहस्पतिवार शाम को हुई घटना से परिवार में चीख-पुकार मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। ओमवीर के साले अशोक गंगवार ने बताया कि ओमवीर ने वर्ष 2010 में थाना इज्जतनगर क्षेत्र की हंस नगर कॉलोनी मठ लक्ष्मीपुर में अपना मकान बनवाया और बच्चों के साथ रहते थे। पिछले 2021 में कोविड से ग्रस्त होने के बाद वह डिप्रेशन में चल रहे थे। निजी अस्पताल से उनका उपचार चल रहा था। बृहस्पतिवार शाम के वक्त घर में सभी लोग काम में व्यस्त थे। ओमवीर की पत्नी मिथलेश छत पर कपड़ा लेने गई, तभी कमरे में बेटे लकी को सवा चार बजे गोली की आवाज सुनाई दी। कमरे में जाकर ओमवीर खून से लथपथ पड़े थे। अस्पताल में डॉक्टर में उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बिहार में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने के लिए हजारों ने ली शपथ

पटना(उत्तरशक्ति)। केंद्र सरकार के बाल विवाह मुक्त भारत के आह्वान पर बिहार के बाजारों, स्कूलों, गांवों और कस्बों में हजारों लोग ढोल नगाड़ों के साथ सड़कों पर उतरे और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) एलायंस के जागरूकता कार्यक्रमों में शामिल होकर इसका समर्थन किया। राज्य के 38 जिलों के 6400 गांवों में लोगों ने जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया और बाल विवाह के खिलाफ मशाल जुलूस निकाले एवं रैलियां की। एक सामाजिक उद्देश्य के लिए एकजुटता के अभूतपूर्व प्रदर्शन में, पुलिस स्टेशनों, अदालतों, पंचायत सदस्यों, धार्मिक नेताओं, स्कूली बच्चों, शिक्षकों, धर्मगुरुओं, हलवाइयों और बाल विवाह पीड़ितों ने इस बुराई को समाप्त करने और कहीं भी बाल विवाह की जानकारी मिलने पर संबंधित अधिकारियों को इसकी सूचना देने की शपथ ली। बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए 250 से भी अधिक गैरसरकारी संगठनों का गठबंधन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस बाल विवाह के खात्मे के लिए बिहार के 38 जिलों में राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन के साथ काम कर रहा है। जेआरसी एलायंस ने कानूनी हस्तक्षेपों और परिजनों को समझा बुझा कर अब तक देश में 2,50,000 से अधिक बाल विवाह रोके हैं। इस राष्ट्रव्यापी अभियान की सराहना करते हुए ह्यजस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस के संस्थापक भुवन ऋभु ने देश से बाल विवाह के खात्मे के लिए शुरू किए गए इस अभियान को पूर्ण समर्थन देते हुए सरकार के प्रयासों में हरसंभव सहयोग का वादा किया।

डीजे पर पसंदीदा गाना नहीं बजाने पर जमकर मारपीट

गुलरिहा(उत्तरशक्ति)। सरहरी चौकी के पास डीजे पर पसंदीदा गाना नहीं बजाने पर मनबढ़ों ने जमकर ईंट-पत्थर चलाए। ईंट लगने से एक महिला का हाथ टूट गया। एक युवक का सिर फट गया। एक शख्स के घर पर लगा सिमेंट सीट टूट गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से आठ लोगों को हिरासत में लेकर बुधवार को शांतिभंग में चालान कर दिया। जानकारी के अनुसार, गुलरिहा थाना क्षेत्र में स्थित महराजगंज गांव में एक व्यक्ति के यहां मुंडन कार्यक्रम था। रात के समय डीजे बजाकर उनके यहां रिश्तेदारी में आईं महिलाएं व युवतियां डांस कर रही थीं। रात 12 बजे किसी के बरात से वापस लौटे गांव के चार मनबढ़ महिलाओं के बीच घुसकर नाचने लगे। उनके हुड़दंग को देखकर महिलाओं ने डीजे बंद कर वहां से चली गईं। इससे चारों नाराज हो गए और डीजे पर उनका पसंदीदा गाना बजाने के लिए कहा। मना करने पर ईंट-पत्थर चलाना शुरू कर दिया।

झांसी अग्निकांड में हुई एक और नवजात शिशु मौत

झांसी(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के झांसी में महारानी लक्ष्मी बाई मेडिकल कॉलेज के एसएनसीयू में भीषण से हुए हादसे में मरने वाले नवजात शिशुओं की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। यह हादसे शुक्रवार रात को हुआ था, इसमें 10 बच्चों की मौत हो गई थी और यानी रविवार को यह संख्या बढ़कर 11 हो गई है। बच्चों की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। शुक्रवार रात एनआईसीयू वार्ड में आग लगते ही मौके पर अफरा तफरी मच गयी और वहां मौजूद स्टाफ तथा लोग जिन भी बच्चों को लेकर निकल सके उन्हें लेकर निकले। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल प्रशासन, बचाव टीम और दमकम विभाग की गाडियां मौके पर पहुंची। हालात इतने भीषण थे कि खिडकियों की जालियां तोड़कर शिशुओं को बाहर निकाला गया। मंडलायुक्त बिमल कुमार दुबे ने बताया कि जिस वार्ड में आग लगी थी और वहां 55 नवजात भर्ती थे। 45 नवजात को सुरक्षित निकाल लिया गया। उनका इलाज चल रहा है। शुरूआती जांच में सामने आया है कि एसएनसीयू में उपकरणों के अत्यधिक लोड की वजह से शॉर्ट-सर्किट हुआ। इसके बाद चिंगारी ऑक्सीजन कंसंट्रेटर तक पहुंची। इसके बाद ही आग बेकाबू हो गई। पुलिस आग लगने के अन्य पहलुओं को भी खंगालने में जुटी है। बता दें कि एसएनसीयू वार्ड में जन्म के तुरंत बाद पीलिया, निमोनिया के शिकार नवजातों को रखा जाता है। नवजात के तापमान को अनुकूल करने के लिए वार्मर भी लगाए गए हैं। जानकारों के मुताबिक यहां क्षमता से तीन गुना अधिक नवजात भर्ती किए गए थे। इस वजह से जीवनरक्षक उपकरणों को लगातार चलाए रखना पड़ रहा था। मॉनिटरिंग मशीन भी लगातार चलती रहती है।

बच्चों से भरी वैन को बचाने में पलटी निजी बस

कानपुर(उत्तरशक्ति)। बिल्हौर में गुरुवार सुबह प्रतापपुर नहरिया पुल पर भीषण सड़क हादसा हुआ। स्कूली बच्चों से भरी वैन को बचाने में यात्रियों से भरी निजी बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पानी भरे गड्ढे में पलट गई। इसके बाद घटनास्थल पर अफरातफरी का माहौल हो गया। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से किसी तरह बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकला। घटना में कुछ लोग मामूली रूप से घायल हुए जिन्हें उपचार के बाद घर भेज दिया गया। यात्री बस रावतपुर से सवारियां भरकर रसूलाबाद की ओर जा रही थी। इसी दौरान बेला रोड पर प्रतापपुर नहरिया पुल के पास सामने से आ रही बच्चों से भरी वैन को बचाने के चक्कर में बस अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे चली गई। इस दौरान बस में सवार दर्जन भर यात्री मामूली रूप से जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से जख्मी यात्रियों को बस से बाहर निकालकर इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौबेपुर भेजा गया। जहां मामूली उपचार के बाद सभी को घर भेज दिया गया। प्रभारी निरीक्षक राजेंद्रकांत शुक्ला ने बताया कि घटना में जान माल का कोई नुकसान नहीं हुआ है।

एमएमएमयूटी के 156 विद्यार्थियों को मिला कैंपस प्लेसमेंट

गोरखपुर(उत्तरशक्ति)। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के 156 छात्र-छात्राओं को विभिन्न कंपनियों में प्लेसमेंट मिला है। इन विद्यार्थियों को चार से आठ लाख रुपये तक का वार्षिक पैकेज ऑफर किया गया है। एडु स्टेशन में सर्वाधिक 93 विद्यार्थियों को छह लाख के पैकेज पर प्लेसमेंट ऑफर मिला है। इस तरह वर्तमान सत्र में प्लेसमेंट पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या 250 हो गई है। एमएमएमयूटी के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के चेयरमैन प्रो. वीके द्विवेदी ने बताया कि ह्याइडु स्टेशन कंपनी में बीटेक के 79 विद्यार्थियों को प्लेसमेंट मिला है। इसके अलावा एमसीए के छह, एमबीए के पांच और बीबीए के तीन विद्यार्थियों को प्लेसमेंट मिला है। इसके अलावा इंटेलीजेन एआई में दो विद्यार्थियों को आठ लाख का पैकेज, हाइपर डॉट में एक छात्र को 6.6 लाख, आईबीएम में 17 विद्यार्थियों को 4.5 लाख और स्ट्रीबू में तीन विद्यार्थियों को 4.5 लाख के पैकेज पर प्लेसमेंट मिला है। हाइक एजुकेशन में पांच छात्रों को 6.42 लाख और दो को 5.82 लाख का पैकेज मिला है। एकमे ग्रेड ने 13 और आस मॉसिस ने चार विद्यार्थियों को चार-चार लाख रुपये का वार्षिक पैकेज ऑफर किया है। प्लेसमेंट सेल की समन्वयक सुकन्या पांडेय ने बताया कि एलाएंटी, आदित्य बिड़ला, एमजी मोटर्स, जीएलएम मथुरा जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में प्लेसमेंट के लिए ड्राइव चल रहा है। इसके अलावा दर्जनों कंपनियां प्लेसमेंट के लिए आ रही हैं। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने बताया कि इस सत्र में अब तक 250 विद्यार्थियों को प्लेसमेंट मिला है। एनआईआरएफ रैंकिंग के टॉप-100 इंजीनियरिंग संस्थानों में शामिल होने के बाद पूरा विश्वास है कि छात्रों को और बेहतर पैकेज पर प्लेसमेंट मिलेगा।

रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार मां-बेटे की मौत

कन्नौज (उत्तरशक्ति)। छोटे भाई की पत्नी को दवा दिलाकर मां के साथ लौट रहे युवक की बाइक में रोडवेज बस ने टक्कर मार दी। हादसे में मां की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायल युवक व छोटे भाई बहू को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां चिकित्सक ने युवक को मृत घोषित कर दिया जबकि महिला को गंभीर हालत में तिर्वा मेडिकल कालेज रेफर किया गया है। गुरसहायगंज कोतवाली क्षेत्र के ग्राम औराई निवासी मनीष कुमार उर्फ पिंकू (32) बुधवार की शाम चार बजे छोटे भाई राहुल की पत्नी प्रीति (22) को दवा दिलाने के लिए करमुल्लापुर स्थित नलकूप संख्या सात के पास आए थे। साथ में मां शिवदेवी (50) भी थीं। नेशनल हाईवे के डिवाइडर के कट को पार कर दूसरे लेन के लिए मुड़ रहे थे। तभी पीछे से आई तेज रफ्तार जयपुर डिपो की रोडवेज बस ने बाइक में टक्कर मार दी। बस चालक शिवदेवी को कुचलते हुए बस को लेकर मौके से भाग निकला। जसोदा टोल प्लाजा पर पुलिस ने चालक समेत बस को पकड़ लिया। उधर, हादसे के बाद आसपास खेतों में काम कर रहे किसान मौके पर पहुंच गए और एंबुलेंस बुलाकर घायल मनीष कुमार उर्फ पिंकू व प्रीति को अस्पताल भिजवाया। वहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। प्रीति को तिर्वा मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया। इस बीच हादसे की सूचना पर परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। एक साथ परिवार के दो सदस्यों की मौत से चीख पुकार मची थी। मनीष खेती कर परिवार का भरण पोषण करता था। उसकी पत्नी ममता के अलावा पुत्र अंशुल व बेटी यशनवी का रो रोकर बुरा हाल था।

टीकेएम ने भारतीय सड़कों पर एक लाख अर्बन क्रूजर हाइराइडर होने का जश्न मनाया

पटना(उत्तरशक्ति)। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने घोषणा की कि भारत में अर्बन क्रूजर हाइराइडर की 1,00,000 गाड़ियों की बिक्री की उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर ली गई है। यह उपलब्धि बाजार में बी-एसयूवी की मजबूत स्वीकार्यता और भारतीय ग्राहकों में हाइब्रिड तकनीक को अपनाने के बढ़ते रुख को रेखांकित करती है। जुलाई 2022 में लॉन्च की गई अर्बन क्रूजर हाइराइडर में टोयोटा की विश्वस्तरीय हाइब्रिड तकनीक को बेहतरीन डिजाइन, प्रीमियम आराम और बेहतरीन प्रदर्शन के साथ जोड़ा गया है। यह तीन पावरट्रेन में उपलब्ध है- सेल्फ-चार्जिंग स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक [एसएचईवी], नियो ड्राइव और सीएनजी पावरट्रेन। अर्बन क्रूजर हाइडर के केंद्र में इसका 1.5-लीटर का इंजन है जिसमें टीएचएस (टोयोटा हाइब्रिड सिस्टम) और ई-ड्राइव ट्रांसमिशन है, जो 85 केडब्ल्यू का संयुक्त पावर आउटपुट देता है। हाइराइडर की हाइब्रिड सिस्टम बाहरी चार्जिंग की आवश्यकता को समाप्त करती है, जिससे ग्राहकों के लिए हर समय सुविधा सुनिश्चित होती है। इसका अत्याधुनिक हाइब्रिड सिस्टम एक सहज और शांत ड्राइव प्रदान करता है, जो इंस्टैंट पावर डिलीवरी से युक्त है। यह, इसके उत्तरदायी प्रदर्शन और शांत संचालन के साथ मिलकर पर्यावरण के प्रति जागरूक लेकिन गतिशील ड्राइविंग अनुभव प्रदान करता है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट सबरी मनोहर ने कहा, अर्बन क्रूजर हाइराइडर को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया भारतीय ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताओं के अनुरूप अभिनव गतिशीलता समाधान प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। यह उपलब्धि केवल एक संख्या नहीं है; यह एसयूवी प्रौद्योगिकी में एक नए युग की शुरूआत का संकेत देती है जो स्थिरता, प्रदर्शन और ग्राहक संतुष्टि को प्राथमिकता देती है।

दुष्कर्म के आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर महिलाओं ने किया हमला

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के कैंपियरगंज इलाके में बलात्कार के आरोपी को गिरफ्तार करने गई पुलिस टीम पर आरोपी के परिवार के सदस्यों ने हमला कर दिया, जिसमें 2 पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक यह घटना बुधवार देर शाम को हुई जब आरोपी की मां और दो बहनों ने पुलिस टीम पर पथराव किया, जिससे प्रशिक्षु उपनिरीक्षक सचिन सिंह (28) और कांस्टेबल अजीत कुमार (25) के सिर में गंभीर चोटें आईं। पुलिस के अनुसार, दोनों को पैडलेगंज के एक नर्सिंग होम में ले जाया गया, जहां उनका उपचार जारी है, हालांकि, वे खतरे से बाहर हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौरव ग्रोवर घायल अधिकारियों की स्थिति जानने के लिए देर रात अस्पताल पहुंचे। पुलिस अधीक्षक (उत्तर) जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि पुलिस ने आरोपी की मां कौशल्या और बहनों प्रियंका तथा प्रीति के खिलाफ हत्या के प्रयास और सरकारी कर्मचारियों के काम में बाधा डालने का मामला दर्ज किया है। श्रीवास्तव ने कहा कि पुलिस दल पर हमला करने वाली तीन महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया गया है।

उन्होंने बताया कि चार दिन पहले एक स्थानीय निवासी ने राहुल निषाद के खिलाफ अपनी बेटी के साथ कथित तौर पर बलात्कार करने की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि आरोपी के अपने घर पर होने की सूचना मिलने पर उप निरीक्षक सिंह और कांस्टेबल कुमार उसे गिरफ्तार करने के लिए मौके पर पहुंचे। अधिकारी ने बताया कि जैसे ही वे राहुल को थाने ले जाने लगे, उसके परिवार ने अचानक पथराव शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि दोनों पुलिस अधिकारियों के सिर में गंभीर चोटें आईं और उन्हें गंभीर हालत में तुरंत अस्पताल ले जाया गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गांव में अतिरिक्त बल भेजा गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्रोवर ने हमले की निंदा करते हुए हमलावरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलिस ने इसमें शामिल मां और बहनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और कहा कि किसी भी तरह की नरमी नहीं बरती जाएगी।

महाकुम्भ में आग बुझाएंगे फायर फाइटिंग रोबोट

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। संगम नगरी प्रयागराज में होने जा रहे महाकुम्भ-2025 में अग्निशमन सेवाओं की तैयारियों को परखने के लिए सोमवार को अपर पुलिस महानिदेशक पद्मजा चौहान (उत्तर प्रदेश, अग्निशमन तथा आपात सेवा) ने मुख्यालय अग्निशमन तथा आपात सेवा महाकुम्भ मेला प्रयागराज का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मेला में आग से बचाव के लिए प्रयोग किए जाने वाले उपकरणों और वाहनों की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मेला क्षेत्र में आग की घटनाओं पर तत्काल काबू करने के लिए उपयोग में लाए जाने वाले अत्याधुनिक उपकरणो की ग्रैंड रिहर्सल भी देखी और तैयारियों पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में इस बार हमारा प्रयास महाकुम्भ को जीरो फायर इंसिडेंट बनाने पर है। इसके बावजूद यदि कहीं कोई दुर्घटना होती है तो विभाग के द्वारा अत्याधुनिक उपकरणों के माध्यम से पल भर में आग पर काबू पाया जा सकेगा। प्रयागराज के मुख्य अग्निशमन अधिकारी और मेला के नोडल अधिकारी प्रमोद शर्मा ने बताया कि निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस महानिदेशक के समक्ष स्मोक एग्जास्टर, हैण्ड कंट्रोल ब्रांच, रिवाल्विंग ब्रांच डिवाइडिंग हेड, कलेक्टिंग हेड, बोल्ट कटर, इलेक्टिक गलप्स, ब्लैंकेट,बैटरी ऑपरेटेड हैड्रोलिक कटर, हरनेश, सर्चलाइट, सर्च लाइट विद दी, स,यू, फायर रेटारडेन्ट स्प्रे ,फायर हुक,ट्रॉली माउंटेड हाई प्रेशर पोर्टेबल एक्सटिंग्युसर जैसे उपकरणों एवं वाहनों का ड्रेस रिहर्सल किया गया। इसके अतिरिक्त एलीफेंट पार्किंग में अत्याधुनिक उपकरण जैसे फायर फाइटिंग रोबोट, एटीवी, फायर बुलेट, फोम टेंडर, एफक्यूआरवी, आर्टिकुलेटिंग वाटर टावर का भी मॉक ड्रिल कराया गया। फायर फाइटिंग रोबोट का पहली बार महाकुम्भ में उपयोग किया जा रहा है। यह फायर फाइटिंग रोबोट्स नई तकनीक से आग बुझाने का माद्दा रखते हैं। यह संकरी और तंग गलियों मे जहां दमकल विभाग की गाड़ियां और अधिकारी न घुस पाते हैं, वहां आसानी से जाकर आग पर काबू पा सकेंगे। इसके अतिरिक्त अपर पुलिस महानिदेशक ने मुख्यालय अग्निशमन तथा आपात सेवा महाकुम्भ मेला प्रयागराज के कार्यालय, बैरक, स्टोर आदि का भी स्थलीय निरीक्षण किया गया। उन्होंने मेस में बनने वाले भोजन की गुणवत्ता को भी चेक किया। निरीक्षण के उपरांत अपर पुलिस महानिदेशक द्वारा मुख्यालय/कोतवाली अग्निशमन केंद्र के सभागार कक्ष में महाकुम्भ मेला ड्यूटी के लिए उपस्थित समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों की बैठक की गई, जिसमें उन्होंने समस्त एस्टेब्लिशमेंट टीम में कर्मचारियों को मेला क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टेंट एवं उसमें लगने वाले विद्युत वायर कनेक्शन की वायरिंग को प्रॉपर कनेक्शन के साथ कनड्यूट कराया जाए व पंडालो को मानकों के अनुसार अग्निशमन सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसके साथ ही, फायर प्रीवेंशन पर विशेष ध्यान देने के लिए भी निर्देशित किया गया।

हाईटेंशन लाइन टूटकर गिरी, चपेट मे आने से सात मवेशियों की मौत

कानपुर (उत्तरशक्ति)। महाराजपुर क्षेत्र के खजुरिया गांव स्थित हनुमान मंदिर के ऊपर से गुजरी 11000 वोल्ट की हाईटेंशन लाइन सुबह करीब 10 बजे टूट गई। तार की चपेट में मंदिर के मैदान में बंधी गांव के किसान हरिश्चंद्र की चार भैंसे, रामपाल का भैंसा और राम सिंह की गाय व एक अन्ना गोवंश आ गया। करंट की चपेट में आने से सातों मवेशियों की मौत हो गई। ग्रामीणों ने फौरन हाईटेंशन लाइन का तार टूटने की सूचना बिजली विभाग के अधिकारियों को दी। इसके बाद बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली कटने से सरसौल से लेकर आसपास के कई गांव में लगे टयूबवेल बंद हो गए। वहीं, ग्रामीणों की सूचना पर महाराजपुर पुलिस तो पहुंची, लेकिन शाम तक न तो बिजली विभाग और न ही पशु चिकित्सा विभाग का कोई अधिकारी या कर्मचारी पहुंचा। इससे ग्रामीणों में नाराजगी दिखी।

पेड़ से टकराकर नाले में गिरी अनियंत्रित कार,बालक की मौत

शाहजहांपुर (उत्तरशक्ति)। शाहजहांपुर में लखनऊ-दिल्ली नेशनल हाईवे पर रोजा थाना क्षेत्र के गांव पिपरिया के पास अनियंत्रित कार सड़क किनारे पेड़ से टकराने के बाद नाले में जा गिरी। हादसे में मिजार्पुर थाना क्षेत्र के गांव थरिया निवासी आरिफ के 10 वर्षीय पुत्र सहजन की मौत हो गई। आठ लोग घायल हुए हैं। कार सवार लोग लखीमपुर खीरी जिले के थाना मोहम्मदी के गांव जवाहरपुर में बरसी के कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे। गाड़ी अरमान चला रहा था। बृहस्पतिवार सुबह करीब दस बजे रोजा थाना क्षेत्र के गांव पिपरिया के पास अचानक कार अनियंत्रित हो गई और पेड़ से टकराकर सड़क किनारे नाले में घुस गई। हादसे में कार में सवार मोहम्मद सहजन (11 वर्ष), मुस्कान (18 वर्ष), कुलसुम (17 वर्ष) निवासी थरिया थाना मिजार्पुर, शमा परवीन (30 वर्ष), एहसन (18 वर्ष) व हुदा (16 वर्ष), खुशनुमा (22 वर्ष), आसमा (40 वर्ष) निवासी निवासी रावतपुर थाना कांट, अरमान (25 वर्ष) निवासी नवाबगंज फरुर्खाबाद घायल हो गए। हादसे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज भेजा। यहां डॉक्टर ने आरिफ के पुत्र सहजन को मृत घोषित कर दिया। सीओ सदर प्रयांक जैन ने बताया कि सूचना आने के बाद पुलिस ने पहुंचकर घायलों को अस्पताल भेजा है।

मारपीट में घायल बुजुर्ग की उपचार के दौरान मौत

आजमगढ़। अतरौलिया के परमेश्वरपुर में स्थित निजी नर्सिंग होम में भर्ती मारपीट में घायल बुजुर्ग की बुधवार को मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। ग्राम देवरिया बुजुर्ग थाना राजेसुल्तानपुर, आंबेडकर नगर निवासी बंसराज (68) मारपीट में घायल हो गया। जिसे अतरौलिया के निजी अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक के पुत्र रामसकल ने थाने में दो लोगों के खिलाफ मारपीट की तहरीर दी है। उसने अस्पताल पर भी लापरवाही पूर्ण इलाज का भी आरोप लगाया है।

30 साल बाद घर लौटा गायब युवक, परिवार की आंखों में आंसू

गाजियाबाद (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में 30 साल पहले गायब हुए एक युवक की अचानक घर वापसी ने पूरे परिवार को हैरान और भावुक कर दिया। यह कहानी बिल्कुल फिल्मों जैसी है, जिसमें एक बच्चा अपने घर से अचानक गायब हो जाता है और फिर 30 साल बाद अपनी पहचान और परिवार को ढूंढता हुआ वापस लौट आता है। राजू जो 30 साल पहले गाजियाबाद के एक इलाके में अपने परिवार के साथ रहता था, रोज की तरह अपनी बहन के साथ स्कूल गया था। स्कूल से लौटते वक्त वह बहन से नाराज होकर सड़क पर बैठ गया और उसकी बहन आगे चली गई। इसी दौरान कुछ लोग उसे टेंपो में बैठाकर ले गए और राजस्थान के जैसलमेर तक पहुंचा दिया। वहां उसे बकरी और भेड़ें चराने का काम दिया गया। राजू ने बताया कि काम के बाद उसे रोटियां दी जाती थीं, और फिर उसे बांध कर रखा जाता था। धीरे-धीरे वह बड़ा हो गया, लेकिन उसने हमेशा अपने परिवार और गाजियाबाद की यादें संजो कर रखीं। एक दिन जब कुछ लोग बकरियां खरीदने आए, तो उन्होंने उसकी मदद की और वह उनके साथ दिल्ली और फिर गाजियाबाद पहुंचा। राजू ने गाजियाबाद पहुंचने के बाद अपने परिवार को ढूंढने की कोशिश की, लेकिन वह शहर में हुए बदलावों के कारण अपने घर का पता नहीं लगा सका। इसके बाद वह गाजियाबाद के खोड़ा थाने पहुंचा और पुलिस से अपनी कहानी सुनाई। पुलिस ने उसकी पहचान के बारे में जानकारी ली और सोशल मीडिया के माध्यम से यह मामला साझा किया।

पुलिस की जांच में पता चला कि 31 साल पहले थाना साहिबाबाद में एक 12 वर्षीय बच्चे के गायब होने की एफआईआर दर्ज की गई थी, जो पूरी तरह से राजू से मेल खा रही थी। इसके बाद पुलिस ने राजू के परिवार को तलाशना शुरू किया। राजू के परिवार को उसके बारे में सोशल मीडिया के जरिए जानकारी मिली। इसके बाद उसकी मां लीलावती और चाचा थाने पहुंचे, जहां उन्होंने राजू को पहचान लिया। पुलिस द्वारा पूछे जाने पर राजू के माता-पिता ने उसे पहचानने के लिए उसके शरीर पर मौजूद कुछ खास निशानों का जिक्र किया। राजू के दिल के पास एक तिल का निशान था और उसके सिर में एक गड्ढा भी था, जो परिवार के लिए पहचान का महत्वपूर्ण संकेत था। इन दोनों पहचान चिन्हों के बाद पुलिस ने राजू को उसके परिवार के पास वापस भेज दिया। राजू का पिता तुलाराम, जो दिल्ली में बिजली विभाग से हाल ही में रिटायर हुए थे, अपने इकलौते बेटे की वापसी से बेहद खुश थे। राजू की तीन बहनें भी हैं, और पूरे परिवार ने मिलकर बेटे की वापसी का स्वागत किया।गाजियाबाद पुलिस ने इस मामले में अहम भूमिका निभाई, और एसीपी साहिबाबाद रजनीश उपाध्याय ने कहा कि इस कठिन जांच को पूरा करने में पुलिस को काफी समय और मेहनत लगी, लेकिन अब यह कहानी खुशियों का कारण बन गई है।

कलास्पंदन आर्ट फेअर 2024 नेहरू सेंटर में 29 नवंबर से 1 दिसंबर के बीच आयोजन

मुंबई। इंडियन आर्ट प्रमोटर द्वारा कलास्पंदन आर्ट फेअर का भव्य आयोजन 29 नवंबर से 1 दिसंबर, 2024 के बीच मुंबई मे नेहरू सेंटर, दूसरी मंजिल, डिस्कवरी ऑफ इंडिया बिल्डिंग, डॉ अनी बेसेंट रोड, वरली में किया है। इस आर्ट फेअर का विधिवत उद्घाटन 29 नवंबर, 2024 दोपहर 2 बजे संपन्न होगा। इस अवसर पर मशहूर बॉलीवुड अभिनेता मुकेश ऋषि, संजय पाटिल (एसीपी, मुंबई) तथा कला क्षेत्र से जुडे अनेक जानी-मानी हस्तियाँ मौजूद रहेंगे। इंडियन आर्ट प्रमोटर द्वारा आयोजित इस आर्ट फेअर में 300 से ज्यादा देश विदेश के जानेमाने चित्रकार और छायाचित्रकारों द्वारा बनायी गयी 3500 से ज्यादा कलाकृतीयाँ देखने को मिलेगी। जो इसमे तैलरंग, ॲक्रिलिक, चारकोल, मिक्स मीडियम, ब्राँझ, फायबर तथा अमूर्त शैली मे बनाई गयी है। इस फेअर में विविध कला प्रेमियों की भी सहभागिता रहेगी। कलास्पंदन आर्ट फेअर प्रतिष्ठित तथा उभरते कलाकारों को अवसर प्रदान करने के लिए तथा उनकी कलात्मक प्रतिभा को कलामंच देने के लिए का शुरू किया है। इस कला महोत्सव में भारत के मशहूर चित्रकार तथा उभरते कलाकार शामिल होंगे और उनके द्वारा बनाई गई चित्रकला, मूर्तिकला, फोटोग्राफी, रेझिन आर्ट, कॅलिग्राफी, मंडला आर्ट, मधुबनी आर्ट, सिरेमिक आर्ट, मोजेक आर्ट, डेकोरेटीव आर्ट, पारंपारिक कला, हस्तकला ऐसे अनेक विविध और अनूठी कलाकृतियाँ को देखने का सुनहरा अवसर मिलेगा। सभी कलाप्रेमी उपयुक्त विभिन्न कलाकृतियाँ बहुत ही उचित मूल्य पर पा सकते हैं। 29 नवंबर से 1 दिसंबर, 2024 के बीच रोज सुबह 11 बजे से रात 7 बजे तक सभी कलाप्रेमी इस आर्ट फेअर का निःशुल्क लाभ उठा सकते हैं।

6वीं साकिब रिजवी मेमोरियल कैंसर अवेरनेस मैराथन का आयोजन

मुंबई। 6वीं साकिब रिजवी मेमोरियल कैंसर अवेरनेस मैराथनः का आयोजन रविवार, 1 दिसंबर 2024 को किया जाएगा, जिसमें हजारों प्रतिभागी, समर्थक और बदलाव के लिए काम करने वाले लोग शामिल होंगे। इस बार का मैराथन स्वास्थ्य, पर्यावरणीय स्थिरता और महिला सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेगा। इस आयोजन का उद्देश्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है। इस मैराथन में विभिन्न वर्गों के धावक भाग लेंगे, जिनमें अनुभवी एथलीट्स से लेकर पहली बार दौड़ने वाले उत्साही लोग शामिल हैं। इस वर्ष का विषय ह्लगो ग्रीन, प्लास्टिक-फ्रीह्व है, जो पर्यावरण की सुरक्षा के लिए जागरूकता फैलाने पर जोर देता है। साथ ही, यह आयोजन महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण पर भी विशेष ध्यान देगा। मैराथन के दौरान जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे, जो इस महत्वपूर्ण विषय पर शिक्षा प्रदान करेंगे। अभिनेता अरबाज खान कार्यक्रम के चेहरे के रूप में, जो जागरूकता और आशा का संदेश देंगे। प्रसिद्ध ओलंपिक एथलीट अक्षय खोत कार्यक्रम के ब्रांड एंबेसडर के रूप में, जो साहस और प्रेरणा का प्रतीक हैं। दैनिक मुंबई हलचल के संपादक एवं अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के महाराष्ट्र अध्यक्ष और पत्रकार संघ वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष, दिलशाद एस खान ने मैराथन के लिए शुभ कामना दी।

फिर सज गई शाही पुल की गुमटियों पर दुकाने, अतिक्रमण से दिन भर लोग रहते हैं जाम की वजह से परेशान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शहर के बीचो-बीच स्थित गोमती नदी पर बना शाही पुल है जिसपर रोज हजारों लोगो का आना जाना होता है,पुराना पुल होने की वजह से पहले से ही यह पुल सकरा है।जिस पर ट्रैफिक पुलिस द्वारा एकल मार्ग बनाकर किसी तरीके से आने जाने वाले राहगीरों के लिए रास्ते को सुलभ बनाया गया है। लेकिन उसके बावजूद भी अतिक्रमण की जद में है यहां इसकी गुमटियों झरोखों पर सालों से यहां पर इसमें स्थित गुमटियों पर दुकान नहीं लगती थी। लेकिन पिछले महीनो से यहां विभिन्न सामानों की दुकान फिर से सज गई हैं।जिसकी वजह से इस पर अतिक्रमण बढ़ गया है शहर के ओलंदगंज से चहारसू चौराहे की तरफ जाने के लिए लोगों को दिनभर काफी मशक्कत व मेहनत करनी पड़ती है। स्कूल की बस, मोटरसाइकिल सवार ,ई-रिक्शा वाले,दिनभर जाम में फंसे रहते हैं। जाम की ओर किसी का ध्यान नहीं जाता उसका मुख्य कारण शाही पुल पर सजी हुई दुकान व अवैध अतिक्रमण हैं।दक्षिण से लेकर उत्तर की तरफ कपड़े वाले प्लास्टिक का सामान बेचने वाले,बैग बेचने वाले, ठेले,खोमचे वालों ने शाही पुल पर अतिक्रमण कर रखा है । इस बाबत जब नगर पालिका के ई ओ पवन कुमार से उनकी राय जानना चाहा गया तो उनका फोन नहीं उठा।

चन्दवक पुलिस ने पेट्रोल पम्प से टायर चोरी कर भाग रहे आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थानाध्यक्ष बृजेश कुमार गुप्ता को रात्रि दिनांक 27/28/ नवंबर 2024 को काशी फिलिंग स्टेशन कोपा पतरही के मालिक मनीष कुमार यादव ने सूचना दिया कि मेरे पेट्रोल पम्प से मेरे दो टैंकर के टायर को चुराकर एक व्यकित पिकअप वाहन से चन्दवक की तरफ भाग रहा है। इस सूचना पर थानाध्यक्ष चन्दवक द्वारा चौकी प्रभारी पतरही उ0नि0 धर्मेन्द्र दत्त को सूचना देते हुये स्वयं चन्दवक की तरफ से तथा चौकी प्रभारी पतरही द्वारा पतरही की तरफ से घेराबन्दी की गयी तो पिकअप सवार रेलवे क्रासिग कोपा के पास पेट्रोल पम्प मालिक मनीष कुमार के सहयोग से रेलवे क्रांसिग कोपा के पास समय करीब 2.30 बजे पकड़ लिया गया। जिससे नाम पता पूछा गया तो उसने अपना नाम जुल्फेकार अली पुत्र अब्दुल्ला निवासी वार्ड नं0 17 चुड़ीयारी मोहल्ला कस्वा गोपीगंज थाना गोपीगंज जनपद भदोही हाल मुकाम जयरामपुर नूर बाग थाना औराई जनपद भदोही बताया। जिसके कब्जे से ट्रक का पहिया खोलने का उपकरण जग, पाना, दो लोहे का राड तथा एक पिकअप रजिट्रेशन नं0 UP63 BT 8353 तथा पेट्रोल पम्प मालिक के टैंकर के 2 चोरी के टायर बरामद किया गया। जिसके सम्बन्ध में नियमानुसार कार्यवाही करते हुये थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 281/24 धारा 303(2), 317(2) बी.एन.एस. का अभियोग पंजीकृत कराते हुये चालान न्यायालय किया गया।

करियर टिप्स मेले में अधिकांश छात्रों ने शिक्षक और इंजीनियर बनने में दिखाई रुचि

जौनपुर। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, डिहियां में गुरुवार को आयोजित करियर टिप्स मेले में वक्ताओं के द्वारा उन्हें सफलता के टिप्स दिए गए। छात्रों से जब उनकी रुचियों के बारे में लिखित रूप से मांगा गया तो अधिकांश छात्रों ने पहले पर शिक्षक तथा दूसरे पर इंजीनियर बनने में रुचि दिखाई। कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख बृजेश यादव ने फीता काटकर किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी लक्ष्य के प्रति एकाग्रचित्त होकर नियमित परिश्रम करे तो वह अपने उद्देश्य को आसानी से हासिल कर सकता है। विशिष्ट अतिथि रमाशंकर तिवारी प्रधान ने कहा कि नियमित स्कूल आने वाला छात्र सफलता की सीढ़ियों को आसानी से पार कर मंजिल को हासिल कर लेता है। प्रधानाचार्य श्रीमती अर्चना सिंह ने कहा हमारा भारत लोकतांत्रिक देश है। यहां हम बौद्धिक क्षमता के बल पर वह सबकुछ हासिल कर सकते हैं,जिसे हमने प्राप्त करना चाहा हो। इसके लिए आवश्यक है लक्ष्य के प्रति नित्य कठिन परिश्रम। हमें अपनी मंजिल जैसे सिविल सेवा, डाक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक,शिक्षक जो भी बनना है मन में ठान कर कम से कम आठ घंटे पढ़ाई में जुट जाना है। सफलता स्वयं कदम चूमने लगेगी। शिक्षक श्रीमती कृष्णा,स्वाती गुप्ता,आरती एवं सुनीता ने भी छात्रों को सफलता के टिप्स दिए। इस मौके पर डॉ आर्यन विश्वकर्मा, दिलीप चौधरी, नवीन उपाध्याय, जयप्रकाश यादव, अर्पित सिंह दीपक आदि मौजूद रहे।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप ने अपनी नई ब्रांड पहचान को लॉन्च किया

मुंबई। देश में विविधतापूर्ण इंजीनियरिंग और डिजाइन पर आधारित अग्रणी समूह, गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप ने ग्राहकों और दूसरे भागीदारों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलने के उद्देश्य से बिल्कुल नए सिरे से तैयार की गई अपनी ब्रांड पहचान को लॉन्च किया। ब्रांड की इस नई पहचान में ए की समृद्ध विरासत के प्रति सम्मान की झलक दिखाई देती है। साथ ही, इससे जाहिर होता है कि यह समूह डिजाइन पर आधारित इनोवेशन के साथ-साथ ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाकर और सस्टेनेबल विकल्पों को सबसे ज्यादा अहमियत देकर 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी के संकल्प पर कायम है। इस अवसर पर गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक जमशेद गोदरेज ने कहा, सही मायने में भारत के विकास से जुड़ी जरूरतों के लिए हमेशा उपयोगी बने रहने की क्षमता ने हमारी निरंतर प्रगति में सबसे अहम भूमिका निभाई है।

विधायक अतुल भातखळकर को दी बधाई

मुंबई। गत बुधवार को कांदिवली पूर्व विधानसभा के विधायक अतुल भातखळकर को लगातर तीसरी बार विजयी होने पर उनके कार्यालय में लोगों ने शाल व श्रीफल देकर बधाई दी। बधाई देने वालों में उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक समाचार पत्र के संवाददाता सुखविंदर सिंह, देवदास मुरांजन, हरिकेश जैसवाल समाचार 9 सहित कई लोग मौजूद रहे। इस मौके पर विधायक ने उपस्थित लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि आप लोगों के लिए कभी भी किसी भी समय मिलने के लिए मैं हर संभव उपस्थित रहूंगा। आप लोग की शिकायतों को हर संभव निस्तारण करने का प्रयास करूंगा।

कन्हैया झूले पालना एक हौले झोटा दीजो

विरार। श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ विरार पूर्व स्थित फूलपाढ़ा मामा नगर में उमेश पांडेय के संयोजन में कथा का दिव्य आयोजन किया गया है, कथावक्ता पंडित हर्षचरित पांडेय जी के द्वारा कथामृत का रसास्वादन करा रहे हैं। बुधवार को महराजश्री के मुखारविंद से प्रभु प्राकट्य के उपरांत की दिव्य लीला का वर्णन किया गया.ब्यास जी द्वारा गाये भजन से भक्तजन भाव विभोर हो गये। बुधवार को कथा के पंचम दिवस में महाराजश्री के मुखारविंद से दिव्य भक्ति सुधा युक्त प्रवचन का आनंद भक्तों को प्राप्त हुआ। मुख्यतः नंदोत्सव एवं प्रभु की बाल लीलाओं को सुनकर भक्त जन भाव विभोर हो गए , शाम को प्रभु की गोवर्धन लीला की दिव्य झांकी देख भक्त जन मंत्र मुग्ध हो गए.

तीन दिवसीय शिलांग लिटरेरी फेस्टिवल का समापन

मुंबई। तीन दिवसीय शिलांग लिटरेरी फेस्टिवल (शिलांग साहित्य महोत्सव) 2024 का समापन साहित्य प्रेमियों, लेखकों और सांस्कृतिक उत्साहियों के दिलों में गहरी छाप छोड़ते हुए हुआ। गुलाबी चेरी ब्लॉसम से भरपूर शिलांग के वार्ड्स लेक पर आयोजित इस आयोजन में करीबन 15,000 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और शब्दों, कहानियों और रचनात्मकता के जादू का जश्न मनाया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि तुर्की के राजदूत फिरात सुनेल ने अपने संबोधन में कहा, साहित्य वह माध्यम है जो हमारे पूर्वजों की आवाजों को हमारे पास तक लाता है। यह उन आवाजों को सुनने का अवसर देता है जिन्हें आधिकारिक इतिहास में दबा दिया गया था। शिलांग में फॉरगॉटन फोकलोर के प्रोजेक्ट के माध्यम से मेघालय ने अपनी सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है।

आमदार स्नेहा दुबे ने की श्री क्षेत्र निर्मल की यात्रा

वसई रोड। वसई रोड 133 विधानसभा आमदार स्नेहा दुबे ने नालासोपारा स्थित भगवान परशुराम की भूमि श्री क्षेत्र निर्मल की यात्रा आज से शुरू की। इस शुभ अवसर पर आदि शंकराचार्य मंदिर के दर्शन संभव हो सके। मन्दिर में बड़े हर्षोल्लास के साथ स्वागत-सत्कार किया गया। इस अवसर पर भाजपा वसई विरार जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, विक्रमगढ़ विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायक हरिश्चंद्र भोये, वसई पश्चिम मंडल अध्यक्ष कपिल म्हात्रे, वरिष्ठ नेता केडी घरत, ओबीसी मोर्चा महासचिव श्रीमती विजयता सुर्वे, गुरुजी ,ऋषिकेश वैद्य, धनंजय शास्त्री वैद्य सहित अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सेवानिवृत्त प्राथमिक शिक्षक कल्याण परिषद के प्रदेश अध्यक्ष बने सत्यदेव सिंह

जौनपुर। बदलापुर तहसील के शिक्षकों के लिए आज का दिन अत्यंत उत्साह पूर्ण रहा। बदलापुर खुर्द निवासी राज्यपाल पुरस्कृत सेवानिवृत्त शिक्षक सत्यदेव सिंह एक बार फिर उत्तर प्रदेशीय सेवानिवृत प्राथमिक शिक्षक कल्याण परिषद के प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित हुए। दोबारा प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने पर आज बदलापुर में प्राथमिक शिक्षकों द्वारा उनका भव्य सम्मान किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष उमेश मिश्र, मंत्री रायसाहब यादव, पूर्व अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह, चंद्र प्रकाश विनोद यादव, प्रदेश मीडिया प्रभारी सच्चिदानंद तिवारी, अभिषेक तिवारी, गौरव यादव, सच्चिदानंद यादव, सेवानिवृत शिक्षक राधेरमण शुक्ला, एआरपी महाराजगंज, सत्यनारायण , सेवानिवृत्त ब्लॉक अध्यक्ष रामसकल यादव, लक्ष्मी शंकर यादव , प्रवक्ता हृदय प्रकाश तिवारी , पंकज मौर्य समेत अनेक शिक्षक उपस्थित रहे। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष तथा प्रदेश महामंत्री अनिल यादव, और जिला उपाध्यक्ष प्रमोद यादव ने भी सत्यदेव सिंह को बधाई देते हुए शुभकामनाएं व्यक्त की है।

आरटीओ कार्यालय में रिश्वत न देने से क्षुब्ध बाबू द्वारा टेबल पर पिस्टल रखने का आरोप, मचा हड़कम

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। हिंदू युवा वाहिनी के लोगों ने एआरटीओ विभाग के एक अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए डीएम से लिखित शिकायत किया है। दिए गए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि गाड़ी की दूसरी कॉपी लेने के लिए 2 हजार रुपये रिश्वत मांगा गया। बतादें कि गुरुवार को हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकर्ता जिला संयोजक प्रिंस सिंह की अगुआई में डीएम डॉ दिनेश चंद्र से मिलकर लिखित शिकायत किया कि अनिल दुबे पुत्र स्व. अच्छेलाल दुबे वन विहार रोड के निवासी है। उन्हें अपने रिस्तेदार शारदा सिंह की मोटर साइकिल पंजीयन संख्या- युपी62 एस 7096 का स्वामी है। उस वाहन का पेपर खो गया था। नया पेपर बनवाने हेतु आवेदन किया हुआ है और सारी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। कई दिन नए पेपर हेतु कार्यालय जाते रहे पर वहां के कर्मचारी और अधिकारी द्वारा कुछ न कुछ बहाना बनाकर टाल दिया जाता था। 25 नवम्बर 2024 को समय करीब लगभग 1 बजे दोपहर में मैं और मेरे साथी प्रिंस सिंह (जिला संयोजक हिन्दू युवा वाहिनी) एआरटीओ दफ्तर में में गए और उनसे वाहन के पेपर के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि पीछे अन्य बाबू बैठे हुए हैं उनसे मिल लीजिये। वहा जाने पर उक्त लोगों से वाहन उक्त के पेपर के बारे में पूछा तो उन लोगों ने कहा कि पेपर ऐसे नहीं मिलता है 2000 रुपए जमा करो तब मिलेगा। यह सुनकर हम लोग दंग रह गए और पुनः आर आई के पास गए और पूछे कि किस चीज का यह 2000 रुपया मांग रहे हैं तो उन्होंने गर्म होकर कहा कि आप लोग जानते नहीं जिलाधिकारी को पांच लाख रुपये महीने का दिया जाता है और ऊपर तक पैसा भेजना रहता है। आप को पता नहीं है। इस पर हम लोग इस बात का विरोध किये तो आर आई ने अपनी पिस्तौल निकालकर टेबल पर रखा और कहा कि आप लोगों जैसे बहुत से संगठन के पदाधिकारी आते जातें रहते हैं, जो करना है कर लेना और काम कराना है तो पैसा जमा करो नहीं तो यहां से जाओ काम नहीं होगा। इतने में उल्टा-सीधा बात कर रहे थे और जबरदस्ती हाथा-पाही करने की कोशिश करने लगे। इसी बीच आर आई ने पुलिस अधीक्षक को फोन कर हम लोगों के विरुद्ध मुकदमा कायम करने के लिए कहा कि कुछ लोग ऑफिस में आकर गुंडा गर्दी कर रहें हैं। हम लोगों ने ऐसा करने से मना किया तो उन्होंने कहा कि आप हमें जानते नहीं फर्जी मुकदमे में फंसाकर जिंदगी बर्बाद कर दूंगा। डीएम ने इस मामले की जांच करने का आदेश सिटी मजिस्ट्रेट को दिया है। वही जब इस आरोप के बाबत आर आई से उनका पक्ष जानने की कोशिश की गई तो उन्होंने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

थाना जफराबाद पुलिस द्वारा 5 नफर अभियुक्त गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नि०जय प्रकाश यादव प्रभारी निरीक्षक जफराबाद के नेतृत्व में उ0नि0 धनुषधारी पाण्डेय मय हमराह हे0का0 अमित कुमार व हो०गा० संजय यादव व्दारा जांच प्रार्थना पत्र देखभाल क्षेत्र के दौरान ग्राम गद्दीपुर में प्रथम पक्ष के तेजबहादुर यादव पुत्र बैजनाथ यादव उम्र 60 वर्ष, अजीत कुमार यादव पुत्र तेजबहादुर यादव उम्र 36 वर्ष द्वितीय पक्ष के रामसूरत यादव पुत्र बिहारी लाल यादव उम्र 58 वर्ष, सोहन लाल यादव पुत्र बिहारीलाल यादव उम्र 42 वर्ष अमर बहादुर यदव पुत्र बिहारीलाल यादव उम्र 55 वर्ष समस्त निवासीगण गद्दीपुर थाना जफराबाद जौनपुर के मध्य जमीन बटवारे को लेकर विवाद मे आमदा फौजदारी हो रहे थे। काफी समझाने बुझाने के बाद भी उभय पक्ष मानने को तैयार नही है। अन्य कोई चारा न होने पर उभय पक्ष को शान्ति व्यवस्था के दृष्टिगत 170 बीएनएसएस मे गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही कि जा रही है। दौराने गिरफ्तारी वोंच्च न्यायालय व मानवाधिकार आयोग के द्वारा निर्गत आदेश निर्देश का अक्षरशः पालन किया गया।

चंदौली में बंदरों ने 4 साल के बच्चे को दौड़ाया,सदमे में मौत

चंदौली(उत्तरशक्ति)। चकिया कोतवाली के हेतिमपुर गांव में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। घर के बाहर पिता के साथ खेल रहे बच्चे को बंदरों के झुंड ने दौड़ा लिया। बंदरों के डर से भाग रहा बच्चा सदमे में जमीन पर गिर पड़ा और बेहोश हो गया। आननफानन में परिजन उसे अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया. बच्चे की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक भोलेनाथ पाल का 4 वर्षीय बेटा हर्षित अपने घर के बाहर खेल रहा था। उसी दौरान बंदरों का झुंड आ गया। बंदरों ने बालक को दौड़ा लिया। यह देख छोटा बच्चा घर की तरफ भागने लगा. इसी बीच उसकी सांसें अटक गईं और बेसुध होकर जमीन पर गिर पड़ा. पिता भोलेनाथ पाल ने बताया कि बच्चे के गिरते ही उसे आननफानन में पास के एक प्राइवेट अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया.घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है।घटना को लेकर लोगों में नाराजगी दिखी। लोगों का कहना है कि चकिया नगर और आसपास के गांवों में बंदरों का आतंक व्याप्त है। जिले में वन क्षेत्रों के अलावा नगर में भी बंदरों का आतंक व्याप्त है। बंदर आए दिन हमला कर लोगों को चोटिल करते रहते हैं। इसके बावजूद वन विभाग और नगर प्रशासन हाथ पर हाथ धरे बैठा है। बंदरों के आतंक को रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

अपोलोने शुरू किया भारत का पहला लंगलाइफ स्क्रीनिंग प्रोग्राम

मुंबई। अत्याधुनिक कैंसर देखभाल में अग्रणी, अपोलो कैंसर सेंटर ने फेफड़ों के कैंसर का तुरंत पता लगाने के लिए भारत का पहला लंगलाइफ स्क्रीनिंग कार्यक्रम शुरू किया है। इस अभूतपूर्व पहल का उद्देश्य, फेफड़ों के कैंसर से लड़ना है, जो भारत में सभी कैंसरों का 5.9% है और कैंसर से संबंधित मौतों का 8.1% है। समय रहते पता लगने से बेहतर उपचार एवं उचित परिणाम प्राप्त हो सकते हैं और इससे बचने की दर में वृद्धि आ जाती है। इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर द्वारा तैयार किए गए ग्लोबोकैन 2020 के कैंसर की घटनाओं और मृत्यु दर के अनुमान से पता चलता है कि फेफड़े के कैंसर, कैंसर से होने वाली मौतों का प्रमुख कारण बना हुआ है।

महायुति विजय में रवीन्द्र चव्हाण पैटर्न की छाप, कोंकण बेल्ट की 39 में से 35 सीटें महायुति को

डोंबिवली। बीजेपी शिवसेना एनसीपी महायुति ने कोंकण बेल्ट की 39 में से 35 सीटें जीती हैं और कोंकण में 90 फीसदी का स्ट्राइक रेट दर्ज किया है। इसका श्रेय मुख्य रूप से भाजपा नेता विधायक रवींद्र चव्हाण की कुशल राजनीतिक रणनीति को जाता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पश्चिम महाराष्ट्र, उत्तरी महाराष्ट्र, मराठवाड़ा के साथ-साथ मुंबई महानगर क्षेत्र और कोंकण में रवींद्र चव्हाण की राजनीति की छाप उभरने से महायुति गठबंधन सफल रहा है। रवीन्द्र चव्हाण डोंबिवली जैसे सुसंस्कृत शहर का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसका राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ-भाजपा की विचारधारा से अटूट रिश्ता है। साथ ही, उनके बारे में यह भी माना जाता है कि वे समय आने पर सड़क पर होने वाली लड़ाइयों से भी परहेज नही करते हैं। रवीन्द्र चव्हाण के पास राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से रिश्ते और संघर्षशील कार्यकताओं की फौज का अनोखा संगम है, तो बीजेपी के महागठबंधन को एक ऐसा नेता मिल गया है, जिसके पास एक ही समय में संघ की वैचारिक एकता और संगठनात्मक ताकत की दोहरी क्षमता है। चाहे लोकसभा चुनाव हो, विधानसभा चुनाव हो या विधान परिषद के स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का चुनाव, पिछले कुछ महीनों में बीजेपी-महायुति को जो लगातार सफलता मिली है। इस सफलता में रवींद्र चव्हाण का राजनीतिक कौशल की छाप स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, यही कारण है कि उन्हें हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा के चुनाव प्रचार अभियान का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी गई थी। पिछली सरकार में रवींद्र चव्हाण ने सार्वजनिक निर्माण मंत्री जैसे महत्वपूर्ण खातों का प्रबंधन किया, जिससे उन्होंने राज्य के इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए महाराष्ट्र के इतिहास में 96 हजार करोड़ का सबसे अधिक फंड उपलब्ध कराया। बीजेपी महाराष्ट्र कोर कमेटी के सदस्य, महासचिव और महत्वपूर्ण कैबिनेट मंत्री के तीन स्तरों पर काम करते हुए रवींद्र चव्हाण को राज्य के सभी हिस्सों की राजनीतिक, सामाजिक और पार्टी स्थिति की समझ थी। चूंकि शीर्ष नेतृत्व को भी उनकी राजनीतिक रणनीति पर भरोसा था, इसलिए उम्मीदवारों के चयन का अधिकार भी उनके पास था।

वर्दी वाले वीर जवानों से युवाओं को मिलती है प्रेरणाः डॉ अनील काशी मुरारका

मुंबई। मुंबई में 26 /11 को हुए आतंकी हमले में मारे गए पुलिस के वीर जवानों को याद करते हुए एम्पल मिशन-मीराकैम इंडस्ट्रीज की तरफ से इन जवानों का सम्मान समारोह गोरेगांव नेस्को ग्राउंड में आयोजित किया गया। संस्था के चेयरमैन डॉ अनील काशी मुरारका ने सबसे पहले शहीद पुलिस कर्मियों को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने सरकारी प्रशासन विभाग में अच्छे कार्य करने वाले देश के नौजवानों का सम्मान किया। उन्होंने कहा कि इन वीर जवानों से देश के युवाओं को प्रेरणा मिलती है। इस मौके पर भारत के कोने-कोने से आए हुए अनेक विशिष्ट लोगों का उनके सामाजिक और राष्ट्रीय योगदान के लिए उन्होंने सम्मान किया। कार्यक्रम में अनेक फिल्मी हस्तियों समेत राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े अनेक लोग उपस्थित रहे।